KOLHAN
समाचार
सच्चाई के साथ

WWW.KOLHANSAMACHARLIVE.COM | जमशेदपुर, सोमवार 29 जून से रविवार 05 जुलाई 2026 ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष संवत 2082 ● पृष्ठ : 04 ● वर्ष : 01, अंक : 04 | जमशेदपुर से प्रकाशित - डिजिटल एडिशन

जमशेदपुर बंद को मिला जनता का व्यापक समर्थन

बिगड़ती कानून-व्यवस्था के खिलाफ एनडीए नेताओं का प्रदर्शन, आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग

जमशेदपुर : बिष्टुपुर में पुलिस की मौजूदगी में हुए हिमांशु सिंह हत्याकांड, शहर में लगातार बढ़ रही चापड़बाजी, चाकूबाजी, लूट, चोरी, नशे के बढ़ते कारोबार, छिनतई, प्रशासनिक विफलता और ध्वस्त कानून-व्यवस्था के विरोध में भारतीय जनता पार्टी, जमशेदपुर महानगर द्वारा शुक्रवार को आहूत जमशेदपुर बंद को शहरवासियों का व्यापक और अभूतपूर्व समर्थन प्राप्त हुआ। जमशेदपुर बंद के दौरान शहर के व्यापारिक प्रतिष्ठानों, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों, परिवहन संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों और आम नागरिकों ने बंद का समर्थन कर अपराध और अराजकता के विरुद्ध एकजुटता दिखाई।

भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष संजीव सिन्हा ने जमशेदपुर बंद को ऐतिहासिक एवं अभूतपूर्व सफल बताते हुए शहरवासियों के प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि बंद के दौरान लोगों ने स्वतः स्फूर्त अपने दुकान, प्रतिष्ठान को बंद रखा। जो शहर में बिगड़ती कानून-व्यवस्था, प्रशासनिक निष्क्रियता और

सरकार की विफल नीतियों के खिलाफ जनता के आक्रोश की अभिव्यक्ति थी। संजीव सिन्हा ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में अपराधियों में कानून का भय समाप्त हुआ है और प्रशासनिक उदासीनता ने अपराधियों को खुली छूट देने का काम किया है। आज जनता स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रही है और यही जनआक्रोश जमशेदपुर बंद में देखने को मिला। उन्होंने कहा कि सहयोगी राजनीतिक दलों, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों, शैक्षणिक संस्थानों, औद्योगिक प्रबंधन एवं आम नागरिकों ने जिस एकजुटता का परिचय दिया, वह सरकार और प्रशासन के लिए संदेश है कि अब जनता अपराध, प्रशासनिक सुस्ती और अराजकता को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी।

प्रशासन को अपराधियों, चापड़बाजों और अवैध नशे के कारोबारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई कर जनता का टूटा हुआ विश्वास पुनः स्थापित करना होगा। संजीव सिन्हा ने जमशेदपुर की जनता, सामाजिक संगठनों, व्यापारिक संस्थानों, परिवहन संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों के साथ भाजपा के सभी देवतुल्य कार्यकर्ताओं एवं बंद को शांतिपूर्ण रूप से सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी वर्गों का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने सदैव जनसुरक्षा और जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है एवं जमशेदपुर की शांति, सुरक्षा और नागरिकों के हितों की रक्षा के लिए यह संघर्ष आगे भी जारी रहेगा।

अपराधियों के बढ़ते हौसलों के खिलाफ जनता एकजुट - रघुवर दास

जमशेदपुर : झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता रघुवर दास ने जमशेदपुर में लगातार बढ़ते जघन्य अपराध और बिगड़ती कानून-व्यवस्था के विरोध में भाजपा जमशेदपुर महानगर द्वारा आहूत बंद को ऐतिहासिक, स्वतःस्फूर्त एवं जनभावनाओं का प्रतिबिंब बताया। उन्होंने कहा कि इस बंद की अभूतपूर्व सफलता ने स्पष्ट कर दिया है कि झारखंड की जनता राज्य सरकार की नीतियों और विधि-व्यवस्था की स्थिति से बेहद आक्रोशित एवं त्रस्त है। जनता अब मूकदर्शक बनकर रहने वाली नहीं है और लोकतांत्रिक तरीके से अपने अधिकारों और सुरक्षा के लिए आवाज बुलंद कर रही है। कहा कि जमशेदपुर की जनता ने इस बंद को सफल बनाकर सीधा संदेश दिया है कि शहर में बढ़ते अपराध, हत्याएं, चापड़बाजी, लूट, छिनतई और असुरक्षा के माहौल को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

बंद पूर्णतः सफल रहा : सरयू राय

जमशेदपुर : बंद का आह्वान सफल रहा। जनता ने खुद से अपने प्रतिष्ठान बंद रखे। चंद गाड़ियों की आवाजाही को छोड़ दें सारी सड़कें सूनी रहीं। हम लोगों के आह्वान को जनता ने अपना आह्वान माना और स्वतःस्फूर्त तरीके से जमशेदपुर को बंद रखा। ये आम जनता की बंदी है। जिन मुद्दों को हमने जनता के समक्ष रखा था, जनता ने उन मुद्दों को अपना मुद्दा माना। जमशेदपुर में अपराध की संस्कृति लंबे समय से चली आ रही है। जो आपराधिक, शोहदे, मनबढ़ हैं, वो खुद को सुरक्षित मानते हैं। उन्हें लगता है कि पुलिस उनका कुछ नहीं बिगाड़ पाएगी। अब नए पुलिस कप्तान आए हैं। देखना होगा कि ये शहर को किस तरीके से सुव्यवस्थित करते हैं। सभी अपराधियों का मन बढ़ा हुआ है। इन सभी का थानों से सांठगांठ है। आज भी वही स्थिति है।

वैभव सूर्यवंशी का टीम इंडिया में डेब्यू, सचिन का तोड़ा रिकॉर्ड

मैनचेस्टर : भारत और इंग्लैंड के बीच चल रही सीरीज़ का दूसरा T20I मैच खेला जा रहा है। मैच शुरू होने से पहले ही एक बहुत बड़ा पल सामने आया है, क्योंकि 15 साल के वैभव सूर्यवंशी अपना सीनियर इंटरनेशनल डेब्यू कर रहे हैं और इंग्लैंड के खिलाफ 'मेन इन ब्लू' की प्लेइंग XI का हिस्सा हैं। गौतम गंभीर के प्रेरणादायक भाषण के बाद, इस युवा स्टार को तिलक वर्मा से अपनी पहली इंडिया कैप मिली और फिर टीम के साथियों ने उन्हें गले लगाकर बधाई दी, जो एक बहुत ही भावुक पल था। बिहार के समस्तीपुर के उस युवा खिलाड़ी को, जिसने इंडियन प्रीमियर लीग में अपनी ज़बरदस्त हिटिंग क्षमता से क्रिकेट की दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा था, इंग्लैंड के ख़िलाफ़ भारत के दूसरे T20I मैच में डेब्यू कैप सौंपी गई।

कई लोगों का मानना है कि उन्हें डेब्यू करने का मौका तीन मैच देर से मिला; क्योंकि आयरलैंड के खिलाफ 2 T20I और फिर डरहम में इंग्लैंड के खिलाफ पहले T20I में इस बेहद प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी को बेंच पर ही बैठना पड़ा था। 15 साल, 3 महीने और 7 दिन की उम्र में, वैभव सूर्यवंशी देश के लिए इंटरनेशनल डेब्यू करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी के तौर पर भारतीय क्रिकेट के रिकॉर्ड बुक में शामिल हो गए हैं। बिहार के इस बल्लेबाज़ ने शेफाली वर्मा को पीछे छोड़ दिया है, जिन्होंने 2019 में 15 साल और 239 दिन की उम्र में डेब्यू किया था। भारतीय पुरुष क्रिकेट में, उन्होंने सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया, जिनका 16 साल की उम्र में किया गया डेब्यू तीन दशकों से भी ज़्यादा समय तक टीनएज डेब्यू के लिए भारत का बेंचमार्क बना हुआ था। टॉस पर कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि हम फिर से पहले बैटिंग करेंगे। हमारी टीम में एक बदलाव है। संजू की जगह वैभव आए हैं।

लालू का Z सिक्योरिटी बहाली पर तंज, बोले- बैकफुट पर है सरकार

बिहार : आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने सरकारी बंगले और सुरक्षा के मुद्दे को लेकर बिहार सरकार का घेराव किया है। पूर्व सीएम अब 10 सर्कुलर रोड स्थित अपने पुराने सरकारी आवास को खाली कर कौटिल्य नगर स्थित घर में शिफ्ट हो गए हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या बिहार सरकार ने पहले उनकी सुरक्षा हटाकर उनके साथ गलत किया था, तो उन्होंने बिना किसी हिचक के कहा, 'हां, बहुत गलत किया है।'

दरअसल, सम्राट चौधरी सरकार ने राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद यादव और उनकी पत्नी, पूर्व

मुख्यमंत्री राबड़ी देवी को Z कैटेगरी की सुरक्षा दी है। यह कदम उनकी सुरक्षा कम किए जाने के लगभग एक महीने बाद उठाया गया है।

उन्हें बुलेटप्रूफ कारें भी दी गई हैं। इससे पहले राज्य सरकार की समीक्षा के बाद इस जोड़े की Z+ सुरक्षा काफी कम कर दी गई थी। इस फैसले से जबरदस्त राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया था। सांकेतिक विरोध दर्ज कराने के लिए उन्होंने अपनी सुरक्षा में तैनात बाकी सरकारी सुरक्षाकर्मियों को वापस कर दिया था। RJD ने आरोप लगाया था कि सुरक्षा में कटौती का मकसद विपक्षी नेताओं को निशाना बनाना था। पार्टी का दावा था कि बिहार में NDA सरकार विपक्षी नेताओं की सुरक्षा कम करके उनके कद को घटाना चाहती थी। बाद में बिहार सरकार ने कहा था कि ये बदलाव खतरे के आकलन के आधार पर की गई नियमित समीक्षा का हिस्सा था।

हिमांशु सिंह के परिवार से मिले भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, न्याय का दिलाया भरोसा

आदित्यपुर : आदित्यपुर के हरिओम नगर स्थित आवास पर शनिवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने करणी सेना के नेता हिमांशु सिंह के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। इस दौरान उन्होंने हिमांशु सिंह के पिता अरविंद सिंह समेत परिवार के अन्य सदस्यों से घटना की जानकारी ली और दुख की इस घड़ी में हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हिमांशु सिंह की हत्या अत्यंत दुखद और चिंताजनक घटना है, जिसने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। उन्होंने परिजनों को भरोसा दिलाया कि भाजपा इस कठिन समय में उनके साथ मजबूती से खड़ी है और न्याय दिलाने के लिए हर स्तर पर प्रयास करेगी।

मुलाकात के दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने पुलिस प्रशासन से मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी और त्वरित जांच सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि इस हत्याकांड में शामिल सभी फरार आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाना चाहिए, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके। उनका कहना था कि दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई होना जरूरी है, जिससे समाज में कानून का भय कायम रहे और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने राज्य की कानून-व्यवस्था पर भी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि अपराध पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना सरकार और प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

15 साल बाद कुंवर सिंह मैदान रोड नंबर-3 के घरों में पहुंचा नल का पानी, लोगों में खुशी की लहर

पंसस सुनील गुप्ता के लगातार प्रयासों से दूर हुई पेयजल संकट की समस्या

जमशेदपुर : जमशेदपुर के बागबेड़ा हाउसिंग कॉलोनी जलापूर्ति योजना क्षेत्र अंतर्गत कुंवर सिंह मैदान रोड नंबर-3 के लगभग 50 घरों में करीब 15 वर्षों बाद नियमित नल जलापूर्ति शुरू हो गई है। लंबे समय से पेयजल संकट से जूझ रहे स्थानीय लोगों के लिए यह बड़ी राहत साबित हुई है। जलापूर्ति बहाल होने के बाद क्षेत्र में खुशी का माहौल देखने को मिला।

वर्षों से पानी की समस्या के कारण लोगों को वैकल्पिक स्रोतों पर निर्भर रहना पड़ता था, जिससे उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था। अब नियमित जलापूर्ति

शुरू होने से स्थानीय निवासियों को राहत मिली है और उनकी दैनिक जरूरतें आसानी से पूरी हो सकेंगी। पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता ने बताया कि जिला खनिज प्रतिष्ठान न्यास (डीएमएफटी) मद से लगभग चार लाख रुपये की लागत से पाइपलाइन इंटर कनेक्शन निर्माण कार्य पूरा किया गया। इसके बाद जलापूर्ति व्यवस्था को बहाल करना संभव हो सका। उन्होंने बताया कि सुबह बेला की जलापूर्ति शुरू होते ही सभी घरों में पर्याप्त दबाव के साथ पानी पहुंचा। पानी आने की सूचना मिलते ही लोगों ने अपने घरों में बाल्टी, ड्रम और अन्य बर्तनों में पानी संग्रह किया। कई परिवारों ने इसे वर्षों की प्रतीक्षा के बाद मिली बड़ी उपलब्धि बताया।

करणी सेना के नेता हिमांशु की मौत मामले में डबल डाउन बार सील

जमशेदपुर : बिष्टुपुर स्थित 'डबल डाउन' (डीडी) बार में हुई हिंसक वारदात और करणी सेना के नेता हिमांशु सिंह की मौत के बाद जिला प्रशासन ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई की है। बढ़ते जनाक्रोश और विरोध-प्रदर्शन के बीच आबकारी विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर डीडी बार को पूरी तरह से सील कर दिया। वहीं, बार के मालिक और भाजपा नेता नीरज सिंह के मानगो स्थित आवास पर भी पुलिस ने छापेमारी की। पुलिस ने उनकी पत्नी से पूछताछ कर जानकारी जुटाई है। जानकारी के अनुसार, बीते 27 जून की रात डीडी बार में डांसर से कथित छेड़छाड़ का विरोध करने पर विवाद शुरू हुआ था। मामले की गंभीरता को देखते हुए जमशेदपुर उपायुक्त राजीव रंजन ने पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। जांच टीम डीडी बार के लाइसेंस, संचालन व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधन, सीसीटीवी फुटेज और निर्धारित नियमों के अनुपालन की बारीकी से समीक्षा करेगी। जानकारी के अनुसार, शनिवार देर रात क्लब के बाहर दो गुटों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। यह विवाद जल्द ही हिंसक झड़प में बदल गया, जिसमें मारपीट और चाकूबाजी भी हुई।

जादूगोड़ा की बेटी मेघा महापात्र को मिला राष्ट्रीय पेटेंट

स्वचालित वाहनों और 5जी संचार के लिए विकसित किया अत्याधुनिक एंटीना

जादूगोड़ा : यूरेनियम नगरी जादूगोड़ा की बेटी और गालूडीह कॉलेज में प्राध्यापक के रूप में कार्यरत मेघा महापात्र ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) जमशेदपुर में किए गए अपने शोध कार्य के आधार पर राष्ट्रीय स्तर का पेटेंट प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। शोध के क्षेत्र में पेटेंट हासिल करना एक महत्वपूर्ण और विरल उपलब्धि माना जाता है, जिससे जादूगोड़ा समेत पूरे पूर्वी सिंहभूम जिले में खुशी का माहौल है।

मेघा महापात्र ने अपनी नियमित शिक्षण जिम्मेदारियों के साथ-साथ परिवार की जिम्मेदारियां निभाते हुए एनआईटी जमशेदपुर में शोध कार्य जारी रखा। उनके द्वारा विकसित तकनीक का पेटेंट भारत सरकार द्वारा प्रकाशित किया गया है। यह शोध विशेष रूप से राजमार्गों पर तेज गति से चलने वाले वाहनों के बीच निर्बाध और भरोसेमंद संचार व्यवस्था को मजबूत बनाने से संबंधित है।

एनआईटी जमशेदपुर के प्रोफेसरों और शोधकर्ताओं के सहयोग से विकसित यह नया एंटीना 20

गीगाहर्ट्ज से 60 गीगाहर्ट्ज तक की mmWave आवृत्तियों पर कार्य करता है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसे किसी भी वाहन की सतह पर लगाया जा सकता है, क्योंकि यह "सब्सट्रेट-स्वतंत्र" तकनीक पर आधारित है। इसमें विशेष "सूरज के आकार" की संरचना दी गई है, जो संचार संकेतों में आने वाली बाधाओं को कम करने में सहायक है। शोधकर्ताओं के अनुसार यह तकनीक वाहन-से-वाहन (V2V), वाहन-से-इन्फ्रास्ट्रक्चर (V2I) तथा 5जी आधारित संचार प्रणालियों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित होगी। भविष्य में स्वचालित और स्मार्ट वाहनों के विकास में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रहने की संभावना है। यह शोध कार्य एनआईटी जमशेदपुर के प्रोफेसर डॉ. सूरजित कुंडू के मार्गदर्शन में पूरा हुआ। इस परियोजना में प्रो. अरविंद कुमार, धीरज पांडे, डॉ. सूरजित कुंडू और मेघा महापात्र की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

संस्थान के निदेशक डॉ. गौतम सूत्रधार ने इस उपलब्धि पर पूरी टीम को बधाई दी है। मेघा महापात्र, यूसिल में कार्यरत मनोज कर की पत्नी हैं और उनकी यह सफलता महिला सशक्तिकरण का प्रेरणादायक उदाहरण बनकर उभरी है।

सौरभ विष्णु ने कानून-व्यवस्था पर उठाए गंभीर सवाल, निष्पक्ष जांच की मांग

जमशेदपुर : जमशेदपुर के बिष्टुपुर स्थित डबल डाउन क्लब के बाहर हुई चाकूबाजी की घटना में युवक हिमांशु सिंह की मौत के बाद जन विकास मंच के प्रमुख एवं पूर्व लोकसभा प्रत्याशी सौरभ विष्णु ने पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि सबसे चिंताजनक बात यह है कि जिस स्थान पर पुलिस की मौजूदगी थी, वहीं अपराधियों ने बेखौफ होकर हत्या जैसी वारदात को अंजाम दे दिया। सौरभ विष्णु ने कहा कि यदि अपराधियों में पुलिस और कानून का भय नहीं रह गया है।

भारी बारिश से थमी मुंबई की रफ्तार, धीमी हुई लोकल ट्रेन की चाल, कई फ्लाइट्स का रूट बदला गया

मुंबई, ठाणे और पालघर में भारी बारिश से जलभराव व यातायात प्रभावित; आईएमडी ने अगले 24 घंटों के लिए अत्यधिक वर्षा और तेज हवाओं की चेतावनी जारी की

मुंबई : जहां मुंबई और महाराष्ट्र के कुछ हिस्से आने वाले दिनों में भारी बारिश की तैयारी कर रहे हैं, वहीं दिल्ली में अपेक्षाकृत कम शुरुआत के बाद मानसून की गतिविधि में धीरे-धीरे वृद्धि देखने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अधिकारियों ने मुंबई और आसपास के जिलों में भारी से अत्यधिक भारी बारिश और तेज हवाओं की भविष्यवाणी की है, जबकि राष्ट्रीय राजधानी में सप्ताहांत और अगले सप्ताह की शुरुआत में हल्की बारिश, तूफान और तेज हवाएं चलने की उम्मीद है।

मुंबई शहर और रायगढ़, ठाणे, पालघर, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग ज़िलों में 4 जुलाई से 6 जुलाई के बीच भारी बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग ने बताया कि मध्य महाराष्ट्र के सतारा, पुणे और नासिक ज़िलों के घाट इलाकों में भी मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि इस दौरान लोकल यात्रा में रुकावट आ सकती है और कुछ हद तक ढांचों को नुकसान भी पहुँच सकता है। लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है, खासकर निचले इलाकों और घाट वाले रास्तों से यात्रा करते समय। राज्य आपदा प्रबंधन विभाग ने एक एडवाइज़री में लोगों से सावधानी बरतने और किसी भी आपात स्थिति में स्थानीय इमरजेंसी हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क करने को कहा है।

विभाग ने आगे बताया कि अगले 24 घंटों तक मुंबई और उसके आस-पास के इलाकों में बारिश जारी रहने की उम्मीद है। कई जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है, जबकि कुछ खास इलाकों में बहुत ज़्यादा भारी बारिश भी हो सकती है।

मुंबई के पड़ोसी ज़िलों ठाणे और पालघर में भारी बारिश हुई, जिससे निचले इलाकों में पानी भर गया और कई जगहों पर पेड़ गिरने से आम जनजीवन और ट्रैफ़िक पर असर पड़ा। ठाणे शहर में सुबह 8.30 बजे से दोपहर 1.30 बजे के बीच 65.79 मिमी बारिश दर्ज की गई, जिससे इस सीज़न की कुल बारिश 829.84 मिमी हो गई, जबकि इसी दौरान पालघर ज़िले में 97.70 मिमी बारिश हुई, जिससे वहां सीज़न की कुल बारिश 643.10 मिमी तक पहुँच गई। ठाणे ज़िले में कल्याण, भिवंडी, नवी मुंबई और बदलापुर के कई निचले इलाकों में पानी भर गया। कलवा में एक पेड़ गिरने से दो वाहन चालक घायल हो गए, जबकि नवी मुंबई के वाशी में पेड़ गिरने से एक कार को नुकसान पहुँचा; हालाँकि, दोनों घटनाओं में किसी की मौत की खबर नहीं है।

पालघर ज़िले के वसई में बाढ़ प्रभावित घरों से फंसे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाने के लिए आपातकालीन सेवाओं को तैनात किया गया। पूरे इलाके में ट्रैफ़िक में भारी रुकावट की खबरें आईं। कोलगांव पुल पर पानी भरने के कारण पालघर-बोइसर रोड बंद कर दी गई और मनोर वाघोबा घाट के पास हाईवे पर एक पेड़ उखड़कर गिरने से रास्ता ब्लॉक हो गया। इसके अलावा, सफाले-तंदुलवाड़ी रोड, गोवाड़े-रायपाड़ा रोड और शिल व देहरजे गाँव को जोड़ने वाले पुल सहित कई अंदरूनी रास्ते भारी जलभराव और नदियों के उफान के कारण बंद कर दिए गए।

सड़क धंसने से गड्ढे में गिरी गाड़ी : मुंबई के भांडुप वेस्ट इलाके में शनिवार को सड़क का एक हिस्सा धंसने से एक गाड़ी खुदाई वाले गड्ढे में गिर गई। यह घटना दोपहर करीब 1:25 बजे हुई, जब सड़क का एक हिस्सा धंस गया और उस जगह के आस-पास के पेड़ भी गिर गए। अधिकारियों ने बताया कि प्रभावित इलाके की घेराबंदी कर दी गई है।

फडणवीस ने लोगों से मौसम से जुड़ी सलाह मानने को कहा

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (MMR) और पुणे-नासिक इलाके के लोगों से अपील की कि वे मौसम विभाग की आधिकारिक सलाह का सख्ती से पालन करें और बेवजह यात्रा करने से बचें, क्योंकि इन इलाकों में 6 जुलाई तक तूफ़ान के साथ भारी बारिश होने की संभावना है। यहाँ पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि हाल ही में बने इंफ्रास्ट्रक्चर, जिसमें पुणे-मुंबई एक्सप्रेसवे का कनेक्टिंग लिंक भी शामिल है, में मौजूद वास्तविक कमियों को ठीक किया जाएगा। फडणवीस ने बताया कि भारत मौसम विज्ञान विभाग के क्षेत्रीय मौसम केंद्र ने प्रभावित इलाके में 6 जुलाई तक बहुत भारी बारिश, तूफ़ान और सामान्य से कहीं ज़्यादा बारिश का अनुमान लगाया है। साथ ही, राज्य सरकार नियमित रूप से मौसम से जुड़े अलर्ट जारी कर रही है और हर तीन घंटे में निवासियों को SMS भेज रही है, और कई माध्यमों से सलाह भी दे रही है।

पहली बारिश में ही दिल्ली बेहाल, 15 फ्लाइट्स डायवर्ट; द्वारका एक्सप्रेसवे पर भी असर

दिल्ली में मॉनसून की पहली झमाझम बारिश से जहां, उमस भरी गर्मी से राहत मिली है. वहीं, जगह-जगह पानी भरने से कई जगह जाम की स्थिति देखने को मिल रही है. बारिश के दौरान द्वारका एक्सप्रेसवे के अंडरपास में पानी भरने से यहां जाम लग गया, जिसका असर द्वारका एक्सप्रेसवे पर भी देखने को मिला. दिल्ली में बारिश के साथ तेज हवा भी चल रही है, जिसके कारण कुल 15 उड़ानों का रूट डाइवर्ट करना पड़ा है. इनमें 5 अंतरराष्ट्रीय और 10 घरेलू उड़ानें शामिल थीं. खराब मौसम की वजह से इन उड़ानों को जयपुर और लखनऊ की ओर डायवर्ट किया गया. मौसम सामान्य होने के बाद उड़ानों को उनके निर्धारित गंतव्य के लिए रवाना किया जाएगा. बताया जा रहा है कि दिल्ली में भारी बारिश के दौरान मिंटो ब्रिज, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, तुगलकाबाद, पुल प्रह्लादपुर और बायो डायवर्सिटी पार्क में पानी भर गया.

ओत गुरु कोल लाको बोदरा की पुण्यतिथि पर भाषा-संस्कृति संरक्षण का लिया संकल्प

वारंग क्षिति लिपि के अन्वेषक को याद कर वक्ताओं ने हो भाषा के संवर्धन पर दिया जोर, युवाओं से भाषा और लिपि को आगे बढ़ाने की अपील

चाईबासा : चाईबासा के कला संस्कृति भवन, हरीगुटू में वारंग क्षिति लिपि के अन्वेषक एवं हो समाज के महान चिंतक ओत गुरु कोल लको बोदरा की 40वीं पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में समाज के बुद्धिजीवियों, साहित्यकारों, विद्यार्थियों और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में वक्ताओं ने भाषा, साहित्य और सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण में ओत गुरु के ऐतिहासिक योगदान को याद किया। उपन्यासकार तिलक बारी ने कहा कि कोल लको बोदरा ने हो समाज को उसकी अपनी लिपि देकर सांस्कृतिक पहचान को नई दिशा प्रदान की। उन्होंने समाज के लोगों से लेखन, साहित्य सृजन और भाषा विकास के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया, ताकि हो भाषा को भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल कराने का सपना साकार हो सके।

सभा को संबोधित करते हुए युवा महासभा के पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष भूषण पिंगुवा ने कहा कि हो भाषा को संवैधानिक मान्यता दिलाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने युवाओं से अपनी मातृभाषा, साहित्य और संस्कृति के प्रति जागरूक रहने तथा वारंग क्षिति लिपि को

व्यवहारिक जीवन में अपनाने का आग्रह किया। वक्ताओं ने कहा कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि समाज की पहचान और विरासत का आधार होती है। इसलिए नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक धरोहर से जोड़ना समय की आवश्यकता है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने भी भाषा संरक्षण और उसके प्रचार-प्रसार के लिए सामूहिक प्रयास करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

107वीं जयंती पर आदमकद प्रतिमा स्थापित करने की घोषणा

युवा महासभा के पूर्व अध्यक्ष बीर सिंह बुड़ीउली ने श्रद्धांजलि सभा के दौरान घोषणा की कि ओत गुरु कोल लको बोदरा की 107वीं जयंती के अवसर पर चाईबासा शहर में उनकी आदमकद प्रतिमा स्थापित की जाएगी। उन्होंने समाज के लोगों से तन, मन और धन से सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि यह कदम आने वाली पीढ़ियों को अपनी भाषा और लिपि की विरासत से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष सेवानिवृत्त संगठन के.सी. बुड़ीउली, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र पूर्ति, जय सिंह कुंटिया, बागुन बोदरा सहित कई वक्ताओं ने अपने विचार रखे। सभा का संचालन जिला अध्यक्ष गंगाराम बिरुवा उर्फ शेर सिंह बिरुवा ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, साहित्यकार और समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

टूटे पुल पर ह्यूम पाइप लगने से बहाल हुआ आवागमन

विधायक के निर्देश पर आपातकालीन मरम्मत कार्य पूरा सड़क मार्ग फिर से हुआ सुगम, ग्रामीणों को मिली राहत

दामपाड़ा : दामपाड़ा/बरड़ीह क्षेत्र में बल्लम और बरड़ीह के मेन रोड के बीच स्थित टूटे पुल की आपातकालीन मरम्मत का कार्य पूरा कर लिया गया है। स्थानीय विधायक के निर्देश पर प्रशासन और संबंधित

विभाग की पहल से पुल पर ह्यूम पाइप लगाए गए, जिससे लंबे समय से प्रभावित आवागमन फिर से सुचारू हो गया है। मरम्मत कार्य के दौरान बुलडोजर की सहायता से सड़क को समतल और सुरक्षित बनाया गया, ताकि वाहनों एवं ग्रामीणों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। पुल क्षतिग्रस्त होने के कारण क्षेत्र के लोगों को आवागमन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था, लेकिन अब ह्यूम पाइप बिछाए जाने के बाद स्थिति सामान्य हो गई है। ग्रामीणों ने इस त्वरित कार्रवाई को जनहित में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए राहत की सांस ली है।

पुल पर ह्यूम पाइप लगाने का कार्य पूरा होने के बाद ग्रामीणों ने स्थानीय विधायक के प्रति आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों का कहना है कि समय पर की गई इस व्यवस्था से न केवल आवागमन बहाल हुआ है, बल्कि क्षेत्र के विकास कार्यों को भी गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि द्वारा लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता देकर समाधान करना सराहनीय पहल है। मौके पर उपस्थित ग्रामीणों ने विधायक के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए इसे जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का उदाहरण बताया। इस अवसर पर पूर्व जिला सदस्य बलराम मांडी, युवा दामपाड़ा प्रभारी अनंत विजय सोरेन, डोमन मुर्मू समेत कई ग्रामीण मौजूद रहे। सभी ने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी क्षेत्र की बुनियादी समस्याओं का इसी तरह त्वरित समाधान किया जाएगा।

बायोमेट्रिक हाजिरी के खिलाफ संयुक्त मोर्चा की बैठक, दी आंदोलन की चेतावनी

चारों खदानों के मजदूर संगठनों की संयुक्त बैठक में प्रबंधन की प्रक्रिया पर उठाए सवाल

गुवा : सेल की किरीबुरू, मेघाहातुबुरु, गुवा और चिड़िया खदानों के सभी मजदूर संगठनों की संयुक्त बैठक संयुक्त मोर्चा के बैनर तले मेघाहातुबुरु सामुदायिक भवन स्थित ओपन थिएटर प्रांगण में आयोजित की गई। बैठक का मुख्य मुद्दा सेल प्रबंधन द्वारा बायोमेट्रिक हाजिरी प्रणाली लागू करने की तैयारी रहा, जिसका सभी संगठनों ने एक स्वर में विरोध किया। यूनियन प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया कि उनका विरोध बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली से नहीं, बल्कि उसे लागू करने की प्रक्रिया से है। नेताओं का कहना था कि जब तक Certifying Officer द्वारा नई उपस्थिति प्रणाली का विधिवत प्रमाणन नहीं किया जाता, तब तक इसे लागू करना श्रम कानूनों और निर्धारित सेवा शर्तों के विपरीत होगा। उन्होंने कहा कि किसी भी कर्मचारी की सेवा शर्तों में बदलाव कानूनी प्रक्रिया और सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति के बाद ही किया जा सकता है।

श्रम कानूनों के उल्लंघन का लगाया आरोप : बैठक में मौजूद नेताओं ने आरोप लगाया कि सेल प्रबंधन निर्धारित नियमों की अनदेखी करते हुए कर्मचारियों पर नई व्यवस्था थोपने का प्रयास कर रहा है। संयुक्त मोर्चा के नेताओं ने कहा कि यदि बायोमेट्रिक हाजिरी के नाम पर सेवा शर्तों में बदलाव को बिना कानूनी प्रक्रिया के स्वीकार कर लिया गया, तो भविष्य में कर्मचारियों के अन्य अधिकार भी प्रभावित हो सकते हैं। उन्होंने इसे केवल उपस्थिति प्रणाली का मामला नहीं बल्कि मजदूरों के संवैधानिक और कानूनी अधिकारों की रक्षा से जुड़ा विषय बताया। नेताओं ने यह भी जानकारी दी कि इस मामले को लेकर न्यायालय में वाद विचाराधीन है। ऐसे में अदालत का अंतिम निर्णय आने तक प्रबंधन को कोई भी एकतरफा निर्णय लागू नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि न्यायालय जो भी फैसला देगा, सभी यूनियन और कर्मचारी उसका सम्मान करेंगे, लेकिन उससे पहले किसी भी प्रकार की जबरन कार्रवाई स्वीकार नहीं की जाएगी।

चारों खदानों में संयुक्त आंदोलन की तैयारी : संयुक्त मोर्चा ने चेतावनी दी कि यदि बिना Certifying Officer के प्रमाणन के बायोमेट्रिक हाजिरी प्रणाली लागू करने का प्रयास किया गया, तो किरीबुरू, मेघाहातुबुरु, गुवा और चिड़िया की चारों खदानों में एक साथ उग्र आंदोलन शुरू किया जाएगा। नेताओं ने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर आंदोलन को धरना-प्रदर्शन से आगे बढ़ाते हुए उत्पादन प्रभावित करने तथा खदानों के संचालन को बाधित करने जैसी रणनीति भी अपनाई जा सकती है। बैठक में सभी मजदूर संगठनों ने एकजुटता का परिचय देते हुए कहा कि मजदूरों के अधिकारों से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जाएगा। संयुक्त मोर्चा का कहना था कि कानून से ऊपर कोई नहीं है, चाहे वह प्रबंधन ही क्यों न हो। मजदूरों के अधिकारों को प्रभावित करने वाली हर कार्रवाई का लोकतांत्रिक और संगठित तरीके से विरोध किया जाएगा तथा श्रमिक हितों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रहेगा।

राजनगर में भीषण सड़क हादसा, मालवाहक वाहन की टक्कर से महिला की मौत, पति गंभीर

शादी समारोह में जा रहे दंपती हादसे का हुए शिकार, पुलिस ने वाहन जब्त कर शुरू की जांच

- हादसे के बाद ग्रामीणों में आक्रोश, कार्रवाई की मांग

राजनगर : सरायकेला-खरसावां जिले के राजनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत कुनाबेड़ा स्थित झारखंड होटल के समीप सोमवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में 42 वर्षीय महिला सुनीता महतो की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके पति परमेश्वर महतो गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, बांधडीह गांव निवासी दंपती बाइक से शोभापुर गांव में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे।

इसी दौरान पीछे से आ रहे तेज रफ्तार एलपीडी 709 मालवाहक वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सुनीता महतो ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल परमेश्वर महतो को तत्काल कुनाबेड़ा स्थित जीवनदीप अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना की

सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए और प्रशासन से दोषी चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करने लगे।

हादसे के बाद कुछ समय के लिए क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति भी बनी रही। समाचार लिखे जाने तक मृतका का शव घटनास्थल पर ही था और पुलिस ग्रामीणों को समझाने-बुझाने का प्रयास कर रही थी। सूचना मिलते ही राजनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटना में शामिल एलपीडी 709 मालवाहक वाहन को जब्त कर लिया।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है तथा दुर्घटना के कारणों और चालक की भूमिका की पड़ताल की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आगे की कानूनी प्रक्रिया नियमानुसार पूरी की जाएगी।

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान में पश्चिमी सिंहभूम बना राज्य में अव्वल

93.41 प्रतिशत उपलब्धि के साथ जिले ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन, झारखंड में हासिल किया प्रथम स्थान

चाईबासा : राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के सफल संचालन में पश्चिमी सिंहभूम जिले ने झारखंड में प्रथम स्थान हासिल कर एक नई उपलब्धि अपने नाम की है। अभियान के दौरान जिले ने निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध 93.41 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज करते हुए राज्य में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इस सफलता में स्वास्थ्य विभाग, जिला प्रशासन, आंगनबाड़ी सेविकाओं, सहियाओं, एएनएम, शिक्षकों, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा आम नागरिकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अभियान के तहत जिले भर में 2,329 पोलियो बूथ स्थापित किए गए थे। इसके अलावा मोबाइल और ट्रांजिट टीमों की सहायता से भी बच्चों तक पहुंच बनाकर उन्हें पोलियो रोधी दवा की खुराक दी गई। अभियान के दौरान कुल 2,21,997 बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाई गई।

स्वास्थ्य कर्मियों ने दुर्गम और दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचकर यह सुनिश्चित किया कि कोई भी पात्र

बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रह जाए। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर उपायुक्त मनीष कुमार ने जिले के सभी स्वास्थ्य कर्मियों, पदाधिकारियों, आंगनबाड़ी सेविकाओं, सहियाओं, जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा अभियान से जुड़े सभी सहयोगियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफलता सभी विभागों के बेहतर समन्वय, कर्मियों की प्रतिबद्धता और आम लोगों की सक्रिय भागीदारी का परिणाम है। उपायुक्त ने विशेष रूप से अभिभावकों के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि जनसहभागिता के बिना इस तरह के बड़े स्वास्थ्य अभियान को सफल बनाना संभव नहीं होता।

ट्रैक्टर की टक्कर से घंटी आधारित शिक्षिका की मौत, आक्रोशित ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

सोनुआ : सोनुआ-चक्रधरपुर मुख्य सड़क पर निश्चितपुर स्कूल के समीप सोमवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे में 23 वर्षीय घंटी आधारित शिक्षिका वंदना महतो की मौत हो गई। वंदना महतो निश्चितपुर गांव की निवासी थीं और एसएस +2 हाई स्कूल, सोनुआ में घंटी आधारित शिक्षिका के रूप में कार्यरत थीं। जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह वह अपने विद्यालय में पढ़ाने के लिए जा रही थीं। इसी दौरान चक्रधरपुर की ओर से तेज रफ्तार में आ रहे एक ट्रैक्टर ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गईं और सड़क पर गिर पड़ीं। घटना के बाद स्थानीय लोगों और परिजनों की मदद से उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सोनुआ पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चाईबासा सदर अस्पताल रेफर किया गया। बाद में बेहतर इलाज के लिए उन्हें चक्रधरपुर के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

गांव से निकलकर प्रशासनिक सेवा तक पहुंची कोकपाड़ा की प्रतिभा

कोकपाड़ा की बेटी निवेदिता पाणिग्रही ने बीपीएससी में 136वीं रैंक हासिल कर बनीं जिला शिक्षा पदाधिकारी

- पिता के निधन के बाद भई नहीं टूटा हौसला, संघर्ष और मेहनत से पाई बड़ी सफलता

धालभूमगढ़ : धालभूमगढ़ प्रखंड के कोकपाड़ा गांव की बेटी निवेदिता पाणिग्रही ने अपनी प्रतिभा, दृढ़ इच्छाशक्ति और अथक परिश्रम के बल पर एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। 17वीं बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) परीक्षा में 136वीं रैंक प्राप्त कर उनका चयन बिहार शिक्षा सेवा के अंतर्गत जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) पद के लिए हुआ है। साधारण परिवार से आने वाली निवेदिता की यह सफलता इसलिए भी विशेष मानी जा रही है क्योंकि उन्होंने किसी बड़े शहर में जाकर महंगी कोचिंग का सहारा नहीं लिया, बल्कि सीमित संसाधनों के बीच स्वयं की मेहनत और लगन से यह मुकाम हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है और ग्रामीणों के साथ-साथ शिक्षा जगत से जुड़े लोगों ने भी उन्हें बधाई दी है। उनकी सफलता युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है, जो यह साबित करती है कि कठिन परिस्थितियां भी मजबूत इरादों को नहीं रोक सकतीं।

संघर्ष के बीच सफलता की मिसाल बनीं

निवेदिता : वर्ष 2020 में निवेदिता के जीवन में वह कठिन दौर आया जब उनके पिता स्वर्गीय देवाशीष पाणिग्रही का अचानक हृदय गति रुकने से निधन हो गया। उस समय वह मास्टर ऑफ साइंस के प्रथम सेमेस्टर की छात्रा थीं। पिता के निधन के बाद परिवार की पूरी जिम्मेदारी उनकी माता बबीता पाणिग्रही और स्वयं निवेदिता के कंधों पर आ गई। आर्थिक और मानसिक चुनौतियों के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। परिवार का सहयोग करने और छोटे भाई की पढ़ाई जारी रखने के लिए उन्होंने विभिन्न कोचिंग संस्थानों में अध्यापन कार्य शुरू किया। इसके साथ ही उन्होंने प्रशासनिक अधिकारी बनने के अपने सपने को भी जीवित रखा। कठिन परिस्थितियों में भी उन्होंने नियमित अध्ययन जारी रखा और अपने लक्ष्य की ओर बढ़ती रहीं। उनकी यही दृढ़ता और आत्मविश्वास आज उन्हें इस प्रतिष्ठित पद तक लेकर पहुंचा है। उनकी कहानी यह संदेश देती है कि विपरीत परिस्थितियां सफलता की राह में बाधा नहीं बल्कि प्रेरणा बन सकती हैं।

शिक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन ने बनाई सफलता की मजबूत नींव : निवेदिता की प्रारंभिक शिक्षा कोकपाड़ा के सरकारी विद्यालय में हुई। वह बचपन से ही मेधावी छात्रा रही हैं। वर्ष 2014 में झारखंड एकेडमिक काउंसिल की मैट्रिक परीक्षा में उन्होंने पूर्वी सिंहभूम जिले में शीर्ष स्थान प्राप्त किया था। इसके बाद पश्चिम बंगाल के गोपीबल्लभपुर स्थित नयाबसान विद्यापीठ से इंटरमीडिएट विज्ञान की परीक्षा में ब्लॉक टॉपर बनीं।

आगे चलकर उन्होंने जमशेदपुर विमेंस कॉलेज से केमिस्ट्री ऑनर्स में स्नातक तथा सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड, रांची से 80 प्रतिशत अंकों के साथ डिस्टिंक्शन में परास्नातक की डिग्री प्राप्त की। उनकी सफलता पर कोकपाड़ा पंचायत की मुखिया उमा भूमिज, वार्ड सदस्य गीता साव, एसएमसी सदस्य नारायण कालिंदी, विद्यालय की प्राचार्या सुनीता दास सहित अनेक शिक्षकों, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने खुशी व्यक्त करते हुए उन्हें सम्मानित किया। सभी ने विश्वास जताया कि निवेदिता भविष्य में शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देकर समाज के लिए प्रेरणा बनेंगी।

जेएलकेएम बैठक में आसनबनी कॉलेज को डिग्री कॉलेज बनाने की मांग

जादूगोड़ा में जिला और प्रदेश कमेटी का जमावड़ा, शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाओं पर जोर

जादूगोड़ा : जादूगोड़ा स्थित कारगिल चौक पर सोमवार को जेएलकेएम की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें पूर्वी सिंहभूम जिला से लेकर प्रदेश स्तर तक की नवगठित कमेटी के पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में संगठन के अनुसूचित जनजाति केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष भागीरथी हांसदा ने क्षेत्र की शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने आसनबनी कॉलेज को डिग्री कॉलेज का दर्जा देने की मांग करते हुए कहा कि इससे क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए दूर-दराज नहीं जाना पड़ेगा। इसके साथ ही उन्होंने आसनबनी उप स्वास्थ्य केंद्र में स्थायी डॉक्टर की पदस्थापना, एम्बुलेंस की उपलब्धता और पर्याप्त दवा सुविधा सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि सरकार इन बुनियादी मांगों पर जल्द पहल नहीं करती है तो जेएलकेएम क्षेत्र में व्यापक जनजागरण और जन आंदोलन अभियान चलाने को बाध्य होगी, ताकि ग्रामीणों को उनकी मूलभूत सुविधाएं मिल सकें।

जमीन वापसी के मुद्दे पर भी आंदोलन की तैयारी : बैठक को संबोधित करते हुए पूर्वी सिंहभूम जिला महासचिव बिमल महतो ने जिंदल स्टील कंपनी पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि करीब 12 वर्ष पूर्व उद्योग स्थापना के नाम पर किसानों और रैयतों से जमीन

अधिग्रहित की गई थी, लेकिन आज तक उद्योग स्थापित नहीं हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि कंपनी द्वारा सैकड़ों एकड़ जमीन लेने के बावजूद स्थानीय लोगों को अपेक्षित लाभ नहीं मिला। बिमल महतो ने कहा कि जमीन वापसी को लेकर उनकी पार्टी जल्द ही जोरदार आंदोलन शुरू करेगी। बैठक के दौरान जिला और प्रदेश स्तर की नई कमेटी के पदाधिकारियों का स्थानीय नेताओं द्वारा माला पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में उत्तम प्रामाणिक, फूलचांद मुर्मू, तपोदयुदी मंडल, रतन चंद्र महतो, भागीरथी हांसदा, जालिम मार्डी, शैलेंद्र महतो, बिमल महतो, शंकर भक्त समेत जिला और प्रदेश कमेटी के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ब्रीफ खबर

सम्मान के साथ मनाया गया सिद्धू-कान्हू शहीद दिवस

घाटशिला : घाटशिला के फूलपाल क्रॉसिंग में सोमवार को सिद्धू-कान्हू शहीद दिवस श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महान स्वतंत्रता सेनानी सिद्धू-कान्हू, फूलो-झानो, चाँद और भैरव को याद करते हुए उनकी प्रतिमा एवं चित्र पर माल्यार्पण किया गया। उपस्थित लोगों ने पूजा-अर्चना कर उनके बलिदान को नमन किया तथा उनके संघर्ष और त्याग को स्मरण किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि इन वीर सपूतों ने अन्याय और शोषण के खिलाफ संघर्ष कर समाज को आत्मसम्मान और अधिकारों के लिए लड़ने की प्रेरणा दी थी। कार्यक्रम में मौजूद ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सिद्धू-कान्हू के बताए मार्ग पर चलने तथा न्याय और अधिकारों की रक्षा के लिए सदैव एकजुट रहने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि उनका संघर्ष आज भी समाज को जागरूक और संगठित रहने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर अखरुद्दीन, शालू राम, बुलेट, प्रकाश मुर्मू, भेरू राम, कमल दास सहित फूलपाल क्रॉसिंग एवं आसपास के गांवों के अनेक लोग उपस्थित रहे।

बिंदु सोरेन की धर्मपत्नी के श्राद्धकर्म में शामिल हुए संघ के सदस्य

मुसाबनी : मुसाबनी प्रखंड के कोडाशोल गांव में सोमवार को झारखंड आंदोलनकारी एवं झारखंडी भाषा भाषी मूलनिवासी संघ के सलाहकार बिंदु सोरेन की धर्मपत्नी स्वर्गीय कानदरी सोरेन के श्राद्धकर्म (भाड़ान) का आयोजन सामाजिक परंपराओं और रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुआ। करीब छह माह पूर्व उनके निधन के बाद आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में परिजन, ग्रामीण तथा संघ के सदस्य शामिल हुए। उपस्थित लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। कार्यक्रम का माहौल भावुक रहा, जहां लोगों ने स्व. कानदरी सोरेन के जीवन और उनके सामाजिक योगदान को याद किया। श्राद्धकर्म के दौरान संघ के सदस्यों ने स्व. कानदरी सोरेन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। संघ के प्रतिनिधियों ने शोक संतप्त परिवार को ढाढ़स बंधाते हुए कहा कि दुःख की इस घड़ी में पूरा संगठन उनके साथ खड़ा है। उन्होंने परिवार को हर संभव सहयोग का आश्वासन भी दिया। इस अवसर पर संघ के केंद्रीय अध्यक्ष संजय बेहरा, संरक्षक सह झारखंड आंदोलनकारी सुराई बास्के, पूर्वी सिंहभूम जिला अध्यक्ष आनंद हेम्ब्रम सहित संघ के कई पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे।

कालाझोर में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया हूल दिवस

घाटशिला : घाटशिला प्रखंड के कालाझोर में हूल महा समिति द्वारा आयोजित सिदो-कान्हू हूल महा कार्यक्रम में घाटशिला विधायक सोमेश चंद्र सोरेन शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। इसके बाद आदिवासी समाज की पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार विधिवत पूजा-अर्चना कर सिदो-कान्हू, चाँद-भैरव, फूलो-झानो तथा हूल आंदोलन के सभी ज्ञात-अज्ञात अमर शहीदों को नमन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों एवं समाज के लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक औजारों के साथ भव्य रैली का शुभारंभ किया गया। विधायक सोमेश चंद्र सोरेन ने कहा कि हूल दिवस हमें अपने पूर्वजों के अदम्य साहस, त्याग, बलिदान और स्वाभिमान की गौरवशाली विरासत को याद करने का अवसर देता है। उन्होंने कहा कि यह दिवस समाज की एकता, संस्कृति और जल, जंगल तथा जमीन की रक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम का समापन "हूल जोहार", "सिदो-कान्हू अमर रहें" और "जोहार झारखंड" के नारों के साथ हुआ।

विद्या भारती इंग्लिश स्कूल में नशामुक्त समाज पर प्रतियोगिता आयोजित

पोटका : पोटका प्रखंड के चाम्पीडीह स्थित विद्या भारती इंग्लिश स्कूल में मंगलवार को नशीले पदार्थों के सेवन के दुष्प्रभाव विषय पर भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए नशे के सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी दुष्प्रभावों पर अपने विचार व्यक्त किए। भाषण प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया, वहीं निबंध प्रतियोगिता में अपनी रचनात्मकता और विषय की गहन समझ का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के बीच नशे के प्रति जागरूकता बढ़ाना और समाज में सकारात्मक सोच विकसित करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य सलीम आजाद ने की। उन्होंने कहा कि बच्चों में नैतिक मूल्यों, सामाजिक जिम्मेदारी और जागरूक नागरिक बनने की भावना विकसित करना विद्यालय का प्रमुख उद्देश्य है।

हूल दिवस पर खुखड़ाडीह में सिद्धो-कान्हू को दी गई श्रद्धांजलि

जादूगोड़ा : जादूगोड़ा क्षेत्र के नरवा पहाड़ स्थित हितकू पंचायत के खुखड़ाडीह गांव में हूल दिवस के अवसर पर सोमवार को सिद्धो-कान्हू हूल गावता की ओर से श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सिद्धो-कान्हू हूल गावता के संरक्षक पलटन मुर्मू, माझी बाबा सिंगी हांसदा, रामदास मुर्मू, राजा लराम मुर्मू, बुधराम हेंब्रम, बाबूलाल मुर्मू, दुर्गा सोरेन, विक्रम मुर्मू, कुमार चंद्र मार्डी सहित बड़ी संख्या में महिलाओं, बच्चों एवं ग्रामीणों ने भाग लिया। इस दौरान स्वतंत्रता सेनानी सिद्धो-कान्हू की प्रतिमा पर पूजा-अर्चना एवं माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उपस्थित लोगों ने वीर शहीदों के बताए मार्ग पर चलने तथा समाज की एकता और अधिकारों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिद्धो-कान्हू हूल गावता के संरक्षक पलटन मुर्मू ने कहा कि हूल दिवस केवल एक स्मृति दिवस नहीं, बल्कि आदिवासी समाज के स्वाभिमान, अस्मिता और आजादी के लिए किए गए ऐतिहासिक संघर्ष का प्रतीक है।

किरीबुरू-मेघाहातुबुरु में हाथियों की बढ़ी हलचल

खदानों और रिहायशी इलाकों में दहशत, दो दिनों में कई स्थानों पर दिखे जंगली हाथी, वन विभाग ड्रोन से कर रहा निगरानी

- पुराने मैगजीन घर के पास दिखा हाथी, ड्रोन से हो रही निगरानी
- दूसरे दंतेल हाथी ने डाला पानी फिल्टर प्लांट में डेरा

गुवा : सेल की किरीबुरू और मेघाहातुबुरु क्षेत्र में पिछले दो दिनों से जंगली हाथियों की बढ़ती गतिविधियों ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। हाथियों के लगातार रिहायशी और औद्योगिक क्षेत्रों में प्रवेश करने से पूरे इलाके में भय का माहौल बना हुआ है। जानकारी के अनुसार 29 जून की रात करीब 11 बजे एक जंगली हाथी किरीबुरू-हिलटॉप मुख्य मार्ग पार कर सेल की मेघाहातुबुरु खदान के मैकेनिकल शॉवेल सेक्शन में पहुंच गया। खदान क्षेत्र में हाथी के अचानक पहुंचने से वहां कार्यरत कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई और सभी सुरक्षित स्थानों की ओर भाग निकले। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हाथी कुछ समय तक खदान क्षेत्र में घूमता रहा और बाद में जंगल की ओर लौट गया। इससे पहले उसे मुर्गापाड़ा क्षेत्र में भी देखा गया था।

30 जून की सुबह करीब 5:30 बजे उसी हाथी को पुराने मैगजीन घर के समीप मुख्य सड़क किनारे जंगल में देखा गया। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और हाथी की गतिविधियों पर नजर रखना शुरू किया। वन विभाग के कर्मी शंकर पांडेय ने बताया कि हाथी की सटीक लोकेशन का पता लगाने के लिए ड्रोन ऑपरेटर की सहायता ली जा रही है। विभाग का प्रयास है कि हाथी को बिना किसी नुकसान के सुरक्षित रूप से घने जंगल की ओर वापस भेजा जाए। हाथी के बार-बार आबादी और औद्योगिक क्षेत्रों के निकट आने से स्थानीय लोग भी सतर्क हो गए हैं और अनावश्यक रूप से जंगल की ओर जाने से बच रहे हैं।

इसी दिन दोपहर करीब 12 बजे एक दूसरा दंतेल हाथी सेल किरीबुरू खदान के हिलटॉप स्थित डालमिया (ओडिशा) के पानी फिल्टर प्लांट परिसर में घुस गया। हाथी जंगल वाले रास्ते से प्लांट के भीतर पहुंचा, जिसे देखकर कर्मचारियों और मजदूरों में भगदड़ मच गई। हालांकि हाथी ने किसी व्यक्ति को नुकसान नहीं पहुंचाया और कुछ देर बाद मुख्य गेट से बाहर निकल गया। ग्रामीणों के अनुसार प्लांट में प्रवेश करने से पहले इसी हाथी ने जंगल किनारे बकरी चरा रही एक महिला को दौड़ा दिया था। जान बचाने के प्रयास में महिला गिर पड़ी, लेकिन वह किसी तरह सुरक्षित स्थान तक पहुंचने में सफल रही।

घटनाओं के बाद डालमिया क्षेत्र तथा आसपास के गांवों में दहशत का माहौल है। लोग खेतों, जंगलों और दैनिक कार्यों के लिए बाहर निकलने से भी डर रहे हैं। वन विभाग ने लोगों से हाथियों के करीब न जाने, उन्हें उकसाने से बचने और किसी भी गतिविधि की सूचना तुरंत विभाग को देने की अपील की है। साथ ही भीड़ न लगाने और पूरी सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि सारंडा के जंगलों में भोजन और पानी की कमी के कारण हाथी आबादी वाले और औद्योगिक क्षेत्रों की ओर रुख कर रहे हैं। यदि समय रहते प्रभावी प्रबंधन और दीर्घकालिक रणनीति नहीं बनाई गई, तो मानव-हाथी संघर्ष की घटनाएं भविष्य में और बढ़ सकती हैं।

तमिलनाडु से रेस्क्यू किए गए पश्चिमी सिंहभूम के 14 श्रमिक सुरक्षित लौट

चाईबासा : तमिलनाडु के तिरुवल्लूर में अमोनिया गैस रिसाव की घटना से प्रभावित पश्चिमी सिंहभूम जिले के 14 श्रमिकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित कर ली गई है। जिला प्रशासन की पहल और लगातार समन्वय के प्रयासों के बाद सभी श्रमिक अपने गृह जिले लौट गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार सभी श्रमिक रेल मार्ग से पहले राउरकेला पहुंचें, वहां से वे अगले दिन सुबह ट्रेन के माध्यम से चक्रधरपुर पहुंचे। घटना की सूचना मिलने के बाद जिला प्रशासन लगातार संबंधित अधिकारियों और एजेंसियों के संपर्क में रहा तथा श्रमिकों की सुरक्षा और वापसी को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक कदम उठाए। प्रशासन के इस प्रयास से श्रमिकों और उनके परिजनों को बड़ी राहत मिली है।

जिला प्रशासन ने चक्रधरपुर रेलवे स्टेशन पर श्रमिकों के स्वागत और सुरक्षित आवागमन की व्यापक तैयारी की है। स्टेशन पहुंचने के बाद सभी श्रमिकों को प्रशासन की निगरानी में उनके संबंधित गांवों तक पहुंचाया जाएगा। इसके लिए अलग-अलग वाहनों की व्यवस्था की गई है, ताकि किसी भी श्रमिक को यात्रा में कठिनाई न हो। उल्लेखनीय है कि तिरुवल्लूर में हुई अमोनिया गैस रिसाव की घटना के बाद वहां कार्यरत पश्चिमी सिंहभूम के कई श्रमिक प्रभावित हुए थे। उनकी सुरक्षित वापसी को लेकर परिजनों में चिंता बनी हुई थी। अब सभी श्रमिकों के सकुशल लौटने की खबर से परिवारों ने राहत की सांस ली है और प्रशासन की तत्परता की सराहना की है।

सरायकेला मोड़ पर मुफस्सिल थाना का सघन वाहन जांच अभियान

ड्रिंक एंड ड्राइव पर कार्रवाई, सड़क सुरक्षा को लेकर पुलिस सख्त, नियमों का उल्लंघन करने वालों से वसूला गया जुर्माना

चाईबासा : चाईबासा में सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मुफस्सिल थाना पुलिस ने सोमवार देर शाम सरायकेला मोड़ के समीप सघन वाहन जांच अभियान चलाया। अभियान का नेतृत्व थाना प्रभारी विनोद कुमार ने किया। इस दौरान सड़क से गुजरने वाले दोपहिया और चारपहिया वाहनों की गहन जांच की गई। पुलिस ने वाहन चालकों को सुरक्षित यात्रा के लिए यातायात नियमों का पालन करने की सलाह दी। जांच अभियान के दौरान हेलमेट, सीट बेल्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन पंजीकरण प्रमाण पत्र, बीमा एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई। जिन वाहन चालकों के पास आवश्यक कागजात नहीं पाए गए या जिन्होंने नियमों का उल्लंघन किया, उनसे नियमानुसार जुर्माना वसूला गया। अभियान के दौरान थाना प्रभारी विनोद कुमार ने वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रत्येक नागरिक का जागरूक होना जरूरी है।

वाहन चलाते समय हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग अनिवार्य रूप से करना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोग अपने वाहन से संबंधित सभी जरूरी दस्तावेज हमेशा साथ रखें और वाहन को निर्धारित गति सीमा के भीतर ही चलाएं। तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाना न केवल चालक बल्कि अन्य लोगों के लिए भी खतरा बन सकता है। पुलिस अधिकारियों ने मौके पर मौजूद लोगों से यातायात नियमों का पालन करने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने की अपील की।

जांच अभियान के दौरान ड्रिंक एंड ड्राइव की भी विशेष जांच की गई। इस क्रम में एक वाहन चालक शराब के नशे में वाहन चलाते हुए पाया गया, जिसके खिलाफ तत्काल कार्रवाई करते हुए वाहन को जब्त कर लिया गया तथा नियमानुसार जुर्माना लगाया गया।

उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और लोगों को सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक करने के लिए भविष्य में भी ऐसे अभियान लगातार चलाए जाएंगे।

एसीसी सीमेंट प्लांट बंदी के विरोध में झींकपानी से चाईबासा तक महापदयात्रा

16 अगस्त से प्रस्तावित प्लांट बंदी के खिलाफ मजदूरों, ग्रामीणों और व्यवसायियों ने बुलंद की आवाज

चाईबासा : पश्चिमी सिंहभूम जिले के झींकपानी स्थित एसीसी (ACC) सीमेंट प्लांट को 16 अगस्त 2026 से स्थायी रूप से बंद करने की घोषणा के विरोध में बुधवार को एसएससी बचाओ संघर्ष समिति के बैनर तले झींकपानी से चाईबासा तक विशाल महापदयात्रा निकाली गई। पदयात्रा का नेतृत्व समिति के संयोजक रमेश बालमुचू ने किया। इस दौरान बड़ी संख्या में मजदूर, ग्रामीण, छोटे व्यवसायी, सब्जी विक्रेता, सामाजिक कार्यकर्ता, बुद्धिजीवी तथा विभिन्न संगठनों से जुड़े लोग शामिल हुए। महापदयात्रा की शुरुआत टोंटो प्रखंड के रजांका चौक से हुई। रास्ते भर प्रदर्शनकारियों ने फैक्ट्री बंदी के विरोध में नारेबाजी करते हुए सरकार और कंपनी प्रबंधन से निर्णय वापस लेने की मांग की। आंदोलनकारियों का कहना था कि एसीसी सीमेंट प्लांट क्षेत्र का एक ऐतिहासिक उद्योग है, जिसने दशकों से हजारों परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराया है।

प्लांट बंद होने से हजारों परिवारों की आजीविका पर संकट : संघर्ष समिति के संयोजक रमेश बालमुचू और सामाजिक कार्यकर्ता जितेंद्र गोप ने कहा कि लगभग 80 वर्ष पुराने इस उद्योग के बंद होने से पूरे क्षेत्र की आर्थिक व्यवस्था प्रभावित होगी। उन्होंने बताया कि प्लांट बंद होने की स्थिति में करीब 1,600 मजदूर परिवारों की आजीविका पर सीधा असर पड़ेगा। इसके अलावा स्थानीय दुकानदार, परिवहन व्यवसायी, सब्जी विक्रेता और छोटे व्यापारियों सहित हजारों लोग भी आर्थिक संकट में आ जाएंगे। उनका कहना था कि इससे बेरोजगारी बढ़ेगी और लोगों को रोजगार की तलाश में पलायन करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। आंदोलन से पूर्व समिति द्वारा विभिन्न गांवों में जनजागरण अभियान चलाकर लोगों को आंदोलन से जोड़ने का प्रयास किया गया, जिसका व्यापक असर देखने को मिला।

22 किलोमीटर पैदल चलकर पहुंचे उपायुक्त कार्यालय : महापदयात्रा में शामिल लोग करीब 22 किलोमीटर की दूरी तय कर चाईबासा स्थित उपायुक्त कार्यालय पहुंचे। प्रारंभ में उपायुक्त मनीष कुमार कार्यालय में मौजूद नहीं थे, जिसके कारण प्रदर्शनकारियों को कार्यालय परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं मिली। बाद में उपायुक्त के पहुंचने पर प्रतिनिधिमंडल को बुलाया गया और रमेश बालमुचू के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में प्लांट बंदी के फैसले को वापस लेने, श्रमिकों के हितों की रक्षा करने तथा क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को सुरक्षित रखने की मांग की गई। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि उद्योग केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की सामाजिक और आर्थिक संरचना का आधार है।

मांगों पर विचार का आश्वासन, आंदोलन तेज करने की चेतावनी : उपायुक्त मनीष कुमार ने आंदोलनकारियों को आश्वस्त किया कि उनकी मांगों और भावनाओं को गंभीरता से लिया जाएगा तथा जिला प्रशासन की ओर से जो संभव होगा, वह किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि ज्ञापन को मुख्यमंत्री तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। दूसरी ओर संघर्ष समिति ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि सरकार और कंपनी प्रबंधन ने सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अमित रेनू, उप विकास आयुक्त उत्कर्ष कुमार, सदर अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बहामन टूटी सहित जिला प्रशासन और पुलिस विभाग के कई अधिकारी मौजूद रहे। आंदोलन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी रखी गई।

ब्रीफ खबर

शिलान्यास के बाद शिलापट्ट क्षतिग्रस्त, थाने में दर्ज की गई शिकायत

पोटका : कौवाली पंचायत में 15वें वित्त आयोग की निधि से मोहन बारीक के घर के पास से मुख्य सड़क तक लगभग दो लाख रुपये की लागत से बनने वाले फेबर्स ब्लॉक निर्माण कार्य के शिलापट्ट को क्षतिग्रस्त किए जाने का मामला सामने आया है। इस योजना का शिलान्यास रविवार को जिला परिषद सदस्य सविता सरदार, प्रभारी मुखिया काजल बारीक, पंचायत समिति सदस्यों तथा ग्रामीणों की उपस्थिति में किया गया था। शिलान्यास के कुछ समय बाद ही कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा शिलापट्ट के हिस्सों को तोड़ने और क्षतिग्रस्त करने की सूचना मिली, जिससे स्थानीय लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। घटना को गंभीरता से लेते हुए प्रभारी मुखिया काजल बारीक ने कौवाली थाना में लिखित आवेदन देकर मामले की शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से दोषियों की पहचान कर उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। काजल बारीक ने कहा कि सरकारी विकास कार्यों में इस तरह की तोड़फोड़ न केवल अस्वीकार्य है, बल्कि इससे पंचायत की विकास योजनाओं पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

महिला कॉलेज चाईबासा में हूल दिवस पर वीर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

चाईबासा : चाईबासा स्थित महिला कॉलेज परिसर में हूल दिवस के अवसर पर असेका समूह के सहयोग से श्रद्धांजलि एवं स्मरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संथाल हूल (1855) के महानायक वीर शहीद सिदो-कान्हू, चाँद-भैरव तथा वीरांगना फूलो-झानो के साहस, संघर्ष और बलिदान को श्रद्धापूर्वक याद किया गया। इस दौरान उनकी तस्वीरों पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एनएसएस बी.एड. यूनिट की पदाधिकारी डॉ. अर्पित सुमन ने कहा कि हूल दिवस केवल एक ऐतिहासिक घटना का स्मरण नहीं, बल्कि अन्याय के विरुद्ध संघर्ष, स्वाभिमान और जनएकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि वीर शहीदों का बलिदान हमें अपनी संस्कृति, अधिकारों और मूल्यों की रक्षा के लिए सदैव प्रेरित करता है। साथ ही विद्यार्थियों से अपने इतिहास और स्वतंत्रता आंदोलन में जनजातीय समुदायों के योगदान को समझने का आह्वान किया।

पीएम आवास से वंचित जरूरतमंदों को लाभ दिलाने की मांग

बहरागोड़ा : प्रखंड क्षेत्र के पानीपोड़ा गांव अंतर्गत हरिजन टोला के जरूरतमंद परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग तेज हो गई है। बुधवार को सांसद प्रतिनिधि कुमार गौरव पुष्टि के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) केशव भारती से मुलाकात कर मांग पत्र सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि हरिजन टोला के कई परिवार आर्थिक रूप से कमजोर हैं और दैनिक मजदूरी कर किसी तरह जीवनयापन कर रहे हैं। इसके बावजूद उनका नाम पीएम आवास योजना की सूची में शामिल नहीं हो पाया है, जिससे वे सरकारी योजना के लाभ से वंचित हैं। मांग पत्र के माध्यम से सांसद प्रतिनिधि कुमार गौरव पुष्टि ने बीडीओ से आग्रह किया कि पानीपोड़ा के हरिजन टोला सहित पूरे प्रखंड के सभी वास्तविक एवं पात्र जरूरतमंद परिवारों को 'आवास प्लस' सूची में जोड़ने की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ की जाए।

सड़क हादसे के बाद युवक की मौत, वृद्ध माता-पिता पर टूटा दुखों का पहाड़

बहरागोड़ा : बरसोल थाना क्षेत्र के मानुषमुड़िया गांव निवासी 35 वर्षीय मानस पान की सड़क दुर्घटना में मौत से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। जानकारी के अनुसार मानस पान धालभूमगढ़ से कंपनी का काम समाप्त कर अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान बहरागोड़ा क्षेत्र में एक अज्ञात ट्रक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद स्थानीय लोगों और प्रशासन की मदद से उन्हें तत्काल बहरागोड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसी रात बारीपदा अस्पताल रेफर कर दिया। वहां इलाज के दौरान बुधवार सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली। घटना के बाद मृतक के गांव और आसपास के क्षेत्रों में शोक का माहौल है। मानस पान अपने वृद्ध माता-पिता के इकलौते पुत्र थे और परिवार की जिम्मेदारियां उन्हीं के कंधों पर थीं। बेटे की असमय मौत से पिता गुनाधर पातर और माता बसंती पातर का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और गांव में भी मातम पसरा हुआ है।

अवैध हथियार रखने के मामले में रिंकु साहू को 3 वर्ष कारावास

चक्रधरपुर : चक्रधरपुर में अवैध हथियार रखने के मामले में न्यायालय ने अभियुक्त रिंकु साहू को दोषी ठहराते हुए 3 वर्ष कारावास और 5 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। यह मामला पश्चिमी सिंहभूम जिले के आनंदपुर थाना कांड संख्या-10/2024 से संबंधित है। पुलिस के अनुसार 7 जुलाई 2024 को आनंदपुर थाना में रिंकु साहू, पिता दुर्योधन साहू, निवासी आनंदपुर बस्ती के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 329(4), 351(2) तथा आर्म्स एक्ट की धारा 25(1-बी)ए/26 के तहत मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान उसके पास से एक अवैध देशी कट्टा बरामद किया गया था, जिसके आधार पर कार्रवाई की गई। मामले के अनुसंधान के दौरान चाईबासा पुलिस ने रिंकु साहू को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा था। पुलिस ने जांच के क्रम में आवश्यक साक्ष्य एकत्र कर न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया। जीआर संख्या-222/2024 के तहत चल रही सुनवाई के बाद 30 जून 2026 को अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कृष्णा लोहार, चक्रधरपुर की अदालत ने अभियुक्त को आर्म्स एक्ट की धारा 25(1-बी)ए के तहत दोषी पाया। न्यायालय ने उसे 3 वर्ष के कारावास के साथ 5 हजार रुपये जुर्माना अदा करने का आदेश दिया।

पत्तल-दोना निर्माण से आत्मनिर्भर बनीं सरिता नायक, मेहनत और प्रशिक्षण से बदली जिंदगी

महिला सशक्तिकरण की प्रेरणादायक मिसाल बनीं सरिता नायक

मनोहरपुर : पश्चिमी सिंहभूम जिले के मनोहरपुर प्रखंड अंतर्गत पाथरबासा गांव की सरिता नायक आज ग्रामीण महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की मिसाल बन चुकी हैं। कभी दिहाड़ी मजदूरी पर निर्भर रहने वाला उनका परिवार आज स्वरोजगार के माध्यम से आर्थिक रूप से मजबूत हुआ है। कुछ वर्ष पहले तक परिवार की आय सीमित और अनिश्चित थी, जिससे बच्चों की पढ़ाई, स्वास्थ्य और घरेलू जरूरतों को पूरा करना कठिन हो जाता था। बावजूद इसके सरिता ने हार नहीं मानी और परिवार की स्थिति सुधारने के लिए लगातार प्रयास करती रहीं। इसी दौरान वन विभाग और झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) की अभिसरण योजना के तहत उन्हें निःशुल्क पत्तल-दोना निर्माण मशीन उपलब्ध कराई गई। इसके साथ ही उन्हें मशीन संचालन, उत्पादन प्रक्रिया, गुणवत्ता नियंत्रण और उद्यम प्रबंधन का प्रशिक्षण भी दिया गया, जिसने उनके जीवन को नई दिशा प्रदान की।

नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन द्वारा दिए गए तकनीकी प्रशिक्षण ने सरिता नायक को आधुनिक तरीके से उत्पादन करने में सक्षम बनाया। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद उन्होंने अपने घर से ही पत्तल और दोना निर्माण का कार्य शुरू किया। गांव और आसपास के जंगलों से उपलब्ध पत्तों का उपयोग कर उन्होंने छोटे स्तर पर उत्पादन प्रारंभ किया। धीरे-धीरे उनके उत्पादों की मांग स्थानीय बाजारों, किराना दुकानों और शादी-विवाह जैसे आयोजनों में बढ़ने लगी। बेहतर गुणवत्ता और समय पर आपूर्ति के कारण उनकी पहचान एक सफल महिला उद्यमी के रूप में बनने लगी।

फूलपाल गांव में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई परमवीर चक्र विजेता वीर अब्दुल हमीद की जयंती

घाटशिला : प्रखंड के फूलपाल गांव में बुधवार को परमवीर चक्र विजेता कंपनी क्वार्टर मास्टर हवलदार वीर अब्दुल हमीद की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर शेख अखरुद्दीन सहित गांव के अनेक लोगों ने वीर अब्दुल हमीद के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने उनके अदम्य साहस, देशभक्ति और राष्ट्र के प्रति समर्पण को याद करते हुए कहा कि वीर अब्दुल हमीद भारतीय सेना के उन महान योद्धाओं में शामिल हैं, जिनके शौर्य और बलिदान पर पूरा देश गर्व करता है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने उनके जीवन से प्रेरणा लेने और देशहित को सर्वोपरि रखने का संदेश भी दिया।

श्रद्धांजलि सभा के दौरान वक्ताओं ने वर्ष 1965 के भारत-पाक युद्ध में वीर अब्दुल हमीद के ऐतिहासिक योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि युद्ध के दौरान वीर अब्दुल हमीद ने अपनी रेकोइललेस गन से पाकिस्तानी सेना के कई पैटन टैंकों को ध्वस्त कर भारतीय सेना के अदम्य साहस और पराक्रम का परिचय दिया था। उनके इस असाधारण शौर्य और सर्वोच्च बलिदान के लिए उन्हें मरणोपरांत भारत के सर्वोच्च सैन्य वीरता सम्मान परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया। उपस्थित लोगों ने कहा कि वीर अब्दुल हमीद का त्याग, राष्ट्रभक्ति और वीरता आने वाली पीढ़ियों को हमेशा प्रेरित करती रहेगी।

हिंदुस्तान ओलम्पियाड में शेफर्ड इंग्लिश मीडियम स्कूल के छात्रों का शानदार प्रदर्शन

जादूगोड़ा : जिला स्तर पर आयोजित हिंदुस्तान ओलम्पियाड की लिखित परीक्षा में धर्मडीह स्थित शेफर्ड इंग्लिश मीडियम स्कूल के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया। परीक्षा में कक्षा दसवीं के छात्र कमल किशोर भक्त (बासिला, पोटका) ने प्रथम स्थान प्राप्त कर जिला टॉपर बनने का गौरव हासिल किया, जबकि शम शेरसिंह सरदार (पाथरगोंडा, पोटका) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि पर विद्यालय परिसर में आयोजित सम्मान समारोह में स्कूल के संचालक मुद्रिका शर्मा ने हिंदुस्तान ओलम्पियाड की ओर से कमल किशोर भक्त को 3100 रुपये तथा शम शेरसिंह सरदार को 1100 रुपये का चेक प्रदान किया।

गोइलकेरा में बालू परिवहन को लेकर हाईवा संचालन पर ग्रामीणों ने उठाए सवाल

ट्रैक्टरों पर कार्रवाई, हाईवा पर चुप्पी से ग्रामीणों में नाराजगी, प्रशासन पर दोहरे मापदंड अपनाने का लगाया आरोप

गोइलकेरा : पश्चिमी सिंहभूम जिले के गोइलकेरा क्षेत्र में बालू परिवहन को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। स्थानीय ग्रामीणों ने प्रशासन पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि एक ओर स्थानीय ट्रैक्टरों के खिलाफ कार्रवाई कर उन्हें जब्त किया जा रहा है और खनन विभाग को सौंपा जा रहा है, जबकि दूसरी ओर बालू लदे हाईवा वाहनों का संचालन बिना किसी रोक-टोक के जारी है। ग्रामीणों का आरोप है कि एनजीटी के नियमों का हवाला देकर ट्रैक्टर चालकों पर सख्ती दिखाई जा रही है, लेकिन बड़े वाहनों के मामले में प्रशासन का रवैया अलग नजर आ रहा है। इसी मुद्दे को लेकर क्षेत्र में असंतोष बढ़ता जा रहा है और ग्रामीण निष्पक्ष कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

ग्रामीणों के अनुसार मंगलवार रात करीब 9:59 बजे बालू लदे दो हाईवा वाहनों को रोककर उनसे परिवहन से संबंधित जानकारी मांगी गई। ग्रामीणों का कहना था कि यदि ट्रैक्टरों से बालू ढुलाई नियमों के विरुद्ध मानी जा रही है, तो हाईवा किस आधार पर बालू का परिवहन कर रहे हैं। सूचना मिलने पर गोइलकेरा थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों का आरोप है कि थाना प्रभारी ने दोनों वाहनों का चालान होने की बात कही और उन्हें आगे जाने दिया। इसके बाद ग्रामीणों में नाराजगी और बढ़ गई। ग्रामीणों का दावा है कि संबंधित बालू का स्टॉक दलकी गांव में है और दोनों हाईवा सेरेंगदा घाट से बालू लेकर गोइलकेरा थाना के सामने से होकर गुजर रहे थे।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि हाईवा में निर्धारित मात्रा से अधिक बालू लोड होने के बावजूद केवल 300 सीएफटी का चालान जारी किया जा रहा है। इसे लेकर उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन के कथित दोहरे रवैये से क्षेत्र में आक्रोश बढ़ रहा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द उचित कार्रवाई नहीं हुई तो वे सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन करेंगे। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक प्रशासन की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया था। मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा और असंतोष का माहौल बना हुआ है।

हाईवा की टक्कर से युवक की दर्दनाक मौत, बहन की शादी का कार्ड बांटने जा रहा था सरवन

मिर्गीलिंडी गांव के पास हुआ हादसा, एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल

चाईबासा : चाईबासा के टोंटो थाना क्षेत्र अंतर्गत मिर्गीलिंडी गांव के समीप सोमवार देर शाम हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में 25 वर्षीय सरवन कुम्हार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके साथ बाइक पर सवार जयराम हेस्सा गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल का इलाज चंपुआ के एक अस्पताल में चल रहा है। मृतक सरवन कुम्हार जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के डीपासाई गांव का निवासी था। परिजनों के अनुसार सरवन अपनी बहन की शादी का निमंत्रण कार्ड बांटने के लिए जयराम हेस्सा के साथ बाइक से कोचड़ा जा रहा था। इसी दौरान मिर्गीलिंडी गांव के पास तेज रफ्तार हाईवा ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सरवन ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया, जबकि जयराम गंभीर रूप से घायल हो गए।

शादी की खुशियां मातम में बदलीं, परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़ : दुर्घटना के बाद हाईवा चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। मृतक के चाचा अनादि कुम्हार ने बताया कि सरवन परिवार का इकलौता बेटा था और बेंगलुरु में मजदूरी कर परिवार का सहारा बना हुआ था। वह अपनी बहन की शादी में शामिल होने के लिए कुछ दिन पहले ही गांव लौटा था। शादी की तैयारियों के बीच हुए इस हादसे ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। घटना की सूचना मिलने पर टोंटो थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल चाईबासा भेज दिया।

पुलिस फरार हाईवा चालक और वाहन की तलाश में जुटी हुई है। हादसे के बाद डीपासाई गांव में शोक का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

डीडी बार हत्याकांड पर भाजपा ने दोषी पुलिसकर्मियों पर एफआईआर की मांग की

हिमांशु सिंह की मौत के बाद भाजपा ने उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन, कानून-व्यवस्था पर उठाए गंभीर सवाल

- पुलिस की भूमिका पर उठाए सवाल, निष्पक्ष जांच की मांग
- 48 घंटे में गिरफ्तारी और फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई की मांग
- शहर में बढ़ते अपराध पर विशेष अभियान चलाने की मांग

जमशेदपुर : बिष्टुपुर स्थित डीडी बार के बाहर हुई मारपीट की घटना में घायल युवक हिमांशु सिंह की इलाज के दौरान हुई मौत के बाद राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। इस मामले को लेकर भारतीय जनता पार्टी, जमशेदपुर महानगर ने जिला प्रशासन और पुलिस व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। बुधवार को भाजपा महानगर अध्यक्ष संजीव सिंह के नेतृत्व में पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त को ज्ञापन सौंपकर मामले में त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की। भाजपा नेताओं ने कहा कि हिमांशु सिंह की मौत ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया है और इस घटना ने शहर की कानून-व्यवस्था की वास्तविक स्थिति को उजागर कर दिया है। पार्टी का आरोप है कि लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाओं के बावजूद अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से उनका मनोबल बढ़ा है। भाजपा ने कहा कि इस घटना ने आम लोगों के बीच भय और असुरक्षा की भावना को और मजबूत किया है।

भाजपा ने अपने ज्ञापन में आरोप लगाया कि जिस समय डीडी बार के बाहर मारपीट की घटना हुई, उस दौरान पुलिस अधिकारी और जवान मौके पर मौजूद थे। इसके बावजूद स्थिति को नियंत्रित नहीं किया जा सका और बाद में घायल हिमांशु सिंह की मौत हो गई। पार्टी का कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी हस्तक्षेप किया गया होता तो इस दुखद घटना को टाला जा सकता था। भाजपा नेताओं ने मांग की कि घटना के समय मौजूद पुलिस अधिकारियों और कर्मियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच कराई जाए। यदि जांच में किसी प्रकार की लापरवाही या संलिप्तता सामने आती है तो संबंधित अधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाए। पार्टी ने कहा कि कानून सभी के लिए समान होना चाहिए और किसी भी स्तर पर दोषियों को संरक्षण नहीं मिलना चाहिए।

भाजपा ने प्रशासन के समक्ष चार प्रमुख मांगें रखीं। पहली मांग में डीडी बार हत्याकांड में शामिल सभी आरोपियों की 48 घंटे के भीतर गिरफ्तारी सुनिश्चित करने की बात कही गई है। पार्टी का कहना है कि दोषियों को तत्काल गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

दूसरी मांग के तहत मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कराकर शीघ्र न्याय सुनिश्चित करने की मांग की गई है। भाजपा नेताओं ने कहा कि पीड़ित परिवार को जल्द न्याय मिलना चाहिए और दोषियों को ऐसी सजा मिलनी चाहिए जो समाज में एक सशक्त संदेश दे। पार्टी का मानना है कि त्वरित न्याय व्यवस्था से लोगों का कानून और न्यायपालिका पर विश्वास और मजबूत होगा।

ज्ञापन की चौथी और महत्वपूर्ण मांग में भाजपा ने जमशेदपुर में बढ़ते अपराध पर अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाने की आवश्यकता जताई है। पार्टी ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में हत्या, लूट, छिनतई, चाकूबाजी, रंगदारी और अन्य आपराधिक घटनाओं में वृद्धि हुई है, जिससे नागरिकों में भय का वातावरण बना हुआ है। भाजपा ने संवेदनशील क्षेत्रों में गश्त बढ़ाने, अपराधियों के खिलाफ सघन अभियान चलाने और आम लोगों में सुरक्षा का भरोसा बहाल करने की मांग की।

नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो कानून-व्यवस्था की स्थिति और गंभीर हो सकती है। हिमांशु सिंह की मौत के बाद यह मामला राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर लगातार चर्चा का विषय बना हुआ है। विभिन्न संगठनों और राजनीतिक दलों की प्रतिक्रियाओं के बीच अब सबकी नजर प्रशासन और पुलिस की आगामी कार्रवाई पर टिकी हुई है।

डबल डाउन बार हत्याकांड पर सरकार सख्त, एसएसपी और एसपी पर गिरी गाज

जमशेदपुर : डबल डाउन बार हत्याकांड के बाद झारखंड सरकार ने तत्काल और कड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस एवं प्रशासनिक व्यवस्था में जवाबदेही तय करने की दिशा में बड़े कदम उठाए हैं। घटना के बाद सबसे पहले गश्ती ड्यूटी में तैनात तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया। इसके बाद बिष्टुपुर थाना प्रभारी आलोक दुबे को पद से हटाकर उनकी जगह निरीक्षक निरंजन कुमार को जिम्मेदारी सौंपी गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने देर रात पूर्वी सिंहभूम के एसएसपी तथा सरायकेला-खरसावां के एसपी पर भी कार्रवाई करते हुए सरकार ने दोनों को मुख्यालय में योगदान देने का आदेश दिया है।

सरकार ने चाईबासा के आयुक्त और रांची के एडीजी को क्षेत्र में कैंप कर प्रतिदिन स्थिति की समीक्षा करने का निर्देश दिया है। वहीं कोल्हान के डीआईजी को शहर में रहकर कानून-व्यवस्था की निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

डबल डाउन बार के बाहर हुए विवाद के बाद हुए चाकूबाजी की घटना में करणी सेना से जुड़े हिमांशु सिंह की मौत हो गई थी, जबकि उनका एक साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना के बाद शहर में व्यापक आक्रोश देखने को मिला और विभिन्न संगठनों ने प्रदर्शन कर दोषियों की जल्द गिरफ्तारी एवं न्याय की मांग की। पुलिस की कथित लापरवाही को लेकर भी लोगों ने सवाल उठाए, जिसके बाद सरकार ने जांच को तेज और पारदर्शी बनाने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को मैदान में उतारा। नई पुलिस टीम के सामने आरोपितों की गिरफ्तारी, मजबूत अभियोजन सुनिश्चित करना और जनता का विश्वास बहाल करना सबसे बड़ी चुनौती होगी। जांच की प्रगति के आधार पर आगे और विभागीय कार्रवाई की संभावना भी जताई जा रही है।

जमशेदपुर के छह थाना क्षेत्रों में धारा 163 लागू, धरना-प्रदर्शन और जुलूस पर रोक

अगले आदेश तक प्रभावी रहेगा प्रतिबंध

जमशेदपुर : बिष्टुपुर स्थित डबल डाउन बार एंड रेस्टोरेंट में हुई घटना के बाद शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन ने सख्त कदम उठाया है। धालभूम के अनुमंडल दंडाधिकारी द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। यह आदेश 1 जुलाई 2026 से अगले आदेश तक प्रभावी रहेगा। प्रशासन द्वारा जारी निर्देश के अनुसार साकची, बिष्टुपुर, सोनारी, कदमा, एमजीएम और मानगो थाना क्षेत्र में किसी भी प्रकार के धरना-प्रदर्शन, घेराव, जुलूस, पुतला दहन तथा अन्य सार्वजनिक विरोध कार्यक्रमों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। इसके अलावा सार्वजनिक स्थानों पर तलवार, लाठी-डंडा, तीर-धनुष, भाला, गड़ासा सहित किसी भी प्रकार के अस्त्र-शस्त्र लेकर घूमने की अनुमति नहीं होगी। बिना सक्षम प्राधिकार की अनुमति के ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर भी रोक लगा दी गई है।

पांच से अधिक लोगों के जुटने पर रोक, लोगों से शांति बनाए रखने की अपील

प्रशासन ने संभावित तनावपूर्ण स्थिति और कानून-व्यवस्था संबंधी चुनौतियों को देखते हुए पांच या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने पर भी प्रतिबंध लगाया है। हालांकि यह निषेधाज्ञा दंडाधिकारियों, पुलिस अधिकारियों, चिकित्साकर्मियों तथा ड्यूटी पर तैनात मीडिया कर्मियों पर लागू नहीं होगी। प्रशासन का कहना है कि डबल डाउन बार कांड के बाद संभावित धरना-प्रदर्शन और जनाक्रोश को देखते हुए यह निर्णय एहतियातन लिया गया है, ताकि शहर में शांति और सौहार्द बना रहे। अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की है कि वे जारी आदेशों का पालन करें, किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें।

एसआईआर-2026 को लेकर रविन्द्र भवन में वॉलंटियर्स का प्रशिक्षण

प्रत्येक पात्र मतदाता तक पहुंच सुनिश्चित करने पर जोर

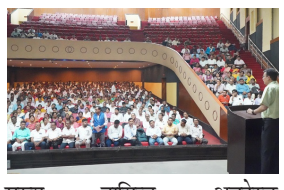

जमशेदपुर : भारत निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के तहत रविन्द्र भवन सभागार में जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों के बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) तथा मतदाताओं के सहयोग हेतु नामित वॉलंटियर्स के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का निरीक्षण उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने किया और सभी प्रतिभागियों को पूरी निष्ठा, पारदर्शिता एवं जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का निर्देश दिया।

उन्होंने बताया कि जिले के सभी मतदान केंद्रों पर वॉलंटियर्स को संबंधित बीएलओ के साथ टैग किया गया है। 30 जून से 29 जुलाई 2026 तक चलने वाले विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के दौरान ये वॉलंटियर्स बीएलओ के साथ समन्वय स्थापित कर मतदाता सूची के सत्यापन और अन्य कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि अभियान का उद्देश्य प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित करना है। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि वॉलंटियर्स का मुख्य दायित्व अनट्रेस्ड (Untraced) मतदाताओं की पहचान और सत्यापन में बीएलओ की सहायता करना होगा।

इसके अलावा वे घर-घर संपर्क अभियान चलाकर मतदाताओं को आवश्यक प्रपत्रों, दस्तावेजों और निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़ी जानकारी उपलब्ध कराएंगे। यदि किसी पात्र नागरिक, प्रवासी श्रमिक अथवा अन्य योग्य मतदाता को एसआईआर प्रक्रिया में किसी प्रकार की कठिनाई आती है तो वॉलंटियर्स उसे चिन्हित कर संबंधित बीएलओ, एईआरओ, ईआरओ तथा जिला निर्वाचन पदाधिकारी तक सूचना पहुंचाएंगे। इससे यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची से वंचित न रह जाए। अधिकारियों ने कहा कि वॉलंटियर्स क्षेत्र में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं की जानकारी भी बीएलओ को देंगे, ताकि उनका समय पर समाधान किया जा सके।

आरटीई नामांकन में अनियमितता का आरोप युवा जदयू ने उपायुक्त को सौंपा शिकायत पत्र

गरीब छात्रों के लिए आरक्षित सीटों पर संपन्न परिवारों के बच्चों के नामांकन का आरोप, जांच और कार्रवाई की मांग

- लॉटरी प्रक्रिया, फर्जी आय प्रमाण पत्र और पोर्टल की विसंगतियों पर उठाए सवाल
- पांच दिनों में कार्रवाई ने होने पर शिक्षा कार्यालय का होगा घेराव

जमशेदपुर : पूर्वी सिंहभूम जिले में शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के तहत गरीब एवं वंचित वर्ग के बच्चों के लिए आरक्षित सीटों पर कथित वित्तीय और प्रशासनिक अनियमितताओं को लेकर युवा जदयू ने जिला प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया है। संगठन के प्रतिनिधियों ने उपायुक्त (डीसी) को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपते हुए पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने की पुरजोर मांग की है। ज्ञापन में सीधे तौर पर आरोप लगाया गया है कि जिले के निजी और नामचीन स्कूलों में आरटीई के तहत आरक्षित लगभग 2300 सीटों पर वास्तविक रूप से पात्र गरीब व जरूरतमंद छात्रों के बजाय साठगांठ कर संपन्न परिवारों के बच्चों का अवैध नामांकन कराया जा रहा है।

संगठन का दावा है कि जिला शिक्षा विभाग के कुछ कर्मचारी और बाबू, जो लंबे समय से एक ही जिले और एक ही कार्य पटल से जुड़े हुए हैं, इस पूरी धांधली की प्रक्रिया में संलिप्त हो सकते हैं। युवा जदयू ने स्पष्ट कहा कि यदि इन गंभीर आरोपों की निष्पक्ष जांच नहीं हुई, तो समाज के अंतिम पायदान पर खड़े बच्चों के अधिकारों का हनन जारी रहेगा।

सौपे गए ज्ञापन में आरटीई नामांकन प्रक्रिया के कई तकनीकी और व्यावहारिक बिंदुओं पर गंभीर सवाल खड़े किए गए हैं। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि प्रथम लॉटरी के दौरान कई नामचीन विद्यालयों की आरक्षित 25 प्रतिशत सीटों को पूरी तरह से नहीं भरा गया। साथ ही आरोप लगाया गया कि पहली सूची जारी होने के बाद खाली बची सीटों के अनुरूप सीधे दूसरी वेटिंग लिस्ट जारी करने के बजाय विभाग द्वारा चहेतों को लाभ पहुंचाने के लिए अभिभावकों को पुनः विद्यालय चयन का अवैध विकल्प दिया गया, जिससे प्रतिस्पर्धा बढ़ गई और चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता पूरी तरह प्रभावित हुई। इसके अलावा संगठन ने दावा किया कि द्वितीय लॉटरी से पहले ऑनलाइन पोर्टल पर जिन विद्यालयों के नाम तक उपलब्ध नहीं थे, उनमें भी बैकडोर से कथित रूप से नामांकन कराया गया।युवा जदयू ने नामांकन में उपयोग किए गए फर्जी आय प्रमाण पत्रों की सत्यता पर भी आपत्ति जताई है। ज्ञापन में कहा गया है कि यदि अंचल कार्यालय (CO ऑफिस) स्तर पर आय प्रमाण पत्रों का कोई भौतिक सत्यापन नहीं किया गया, तो संपन्न लोगों को 72 हजार रुपये वार्षिक आय सीमा वाले प्रमाण पत्र किस आधार पर जारी किए गए, इसकी भी जांच की जानी चाहिए।

युवा जदयू नेता हेमंत पाठक ने मांग की कि इस वर्ष की विवादित लॉटरी प्रक्रिया को तुरंत निरस्त कर नई और पारदर्शी प्रक्रिया के तहत पुनः लॉटरी कराई जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि पांच दिनों के भीतर जिला प्रशासन की ओर से कोई ठोस पहल नहीं की जाती है, तो शिक्षा विभाग के कार्यालय के बाहर उग्र आंदोलन किया जाएगा और उच्च न्यायालय में जनहित याचिका (PIL) दायर की जाएगी। इस दौरान राहुल गुप्ता, मंटु सतुआ, जय प्रकाश साव, शुभम मिश्रा, हैप्पी कुमार और रितेश पांडेय मुख्य रूप से उपस्थित थे।

ब्रीफ खबर

सोनारी से टहलने निकली 71 वर्षीय महिला लापता

जमशेदपुर : सोनारी थाना क्षेत्र की रहने वाली 71 वर्षीय सरस्वती तमाड़िया रविवार सुबह से लापता हैं। परिजनों के अनुसार वह रोज की तरह सुबह करीब 6 से 7 बजे के बीच टहलने के लिए घर से निकली थीं, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटीं। बताया गया है कि सरस्वती तमाड़िया मानसिक रूप से अस्वस्थ हैं, जिसके कारण आशंका जताई जा रही है कि वह रास्ता भटक गई हों। लापता होने के समय उन्होंने भूरे रंग की मैक्सी पहन रखी थी। परिवार के लोगों ने आसपास के इलाकों में काफी खोजबीन की, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिल सका। सरस्वती तमाड़िया के पुत्र अलंकार तमाड़िया ने बताया कि मां की तलाश के लिए रिश्तेदारों, परिचितों और आसपास के क्षेत्रों में खोज की गई, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने सोनारी थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए पुलिस से खोजबीन तेज करने का अनुरोध किया है। परिवार ने आम लोगों से भी सहयोग की अपील की है। यदि किसी व्यक्ति को सरस्वती तमाड़िया के संबंध में कोई जानकारी मिले या वे कहीं दिखाई दें, तो तत्काल मोबाइल नंबर 7484913848 पर सूचना देने का आग्रह किया गया है।

हिमांशु सिंह के परिजनों से मिले कुणाल और विक्टर सोरेन

जमशेदपुर : बिष्टुपुर की दुखद घटना में जान गंवाने वाले दिवंगत हिमांशु सिंह के आदित्यपुर स्थित आवास पर झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी तथा जिला अध्यक्ष विक्टर सोरेन पहुंचे। इस दौरान उन्होंने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की। दोनों नेताओं ने हिमांशु सिंह के पिता से मिलकर घटना की विस्तृत जानकारी ली और परिवार के दुख में सहभागी बने। उन्होंने कहा कि यह घटना बेहद पीड़ादायक है और पूरे क्षेत्र के लिए एक बड़ी क्षति है। कुणाल षाड़ंगी और विक्टर सोरेन ने परिवार को आश्वस्त किया कि इस कठिन समय में वे उनके साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि मामले में दोषी पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और न्याय सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। साथ ही दिवंगत आत्मा की शांति और परिजनों को दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की गई।

प्रांतिक कुमार दास को 'बंगा प्रतिभा सम्मान 2026' से सम्मानित

जमशेदपुर : यूनाइटेड ह्यूमन राइट्स एंड एंटी करप्शन सोशल जस्टिस संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रांतिक कुमार दास को कोलकाता में आयोजित "बंगा प्रतिभा सम्मान 2026" समारोह में सम्मानित किया गया। यह सम्मान नेशनल एचीवर अवार्ड फाउंडेशन (एनएएएफ), कोलकाता द्वारा प्रदान किया गया। समारोह में उन्हें अंगवस्त्र, मोमेंटो, मेडल, पुष्पगुच्छ एवं प्रशस्ति प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया गया, जिसमें प्रांतिक कुमार दास को उनके सामाजिक और जनसेवा संबंधी कार्यों के लिए विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। सम्मान प्राप्त करने के बाद प्रांतिक कुमार दास ने कहा कि उनका संगठन पूरे देश में मानवाधिकार संरक्षण, देश सेवा और समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस सम्मान से न केवल उन्हें बल्कि संगठन के विभिन्न राज्यों, जिलों के पदाधिकारियों और सदस्यों को भी समाजहित में कार्य करने की नई प्रेरणा मिली है। उन्होंने नेशनल एचीवर अवार्ड फाउंडेशन, कोलकाता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान संगठन के सभी कार्यकर्ताओं की मेहनत और समर्पण का परिणाम है, जो उन्हें आगे भी जनसेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा।

पूर्णिमा साहू की पहल पर बीमार बच्ची को सहायता

जमशेदपुर : घाटशिला प्रखंड के नयाग्राम निवासी संतोष कुमार मिश्रा, जो सब्जी बेचकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं, इन दिनों अपनी चार माह की पुत्री विहा मिश्रा के इलाज को लेकर कठिन परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं। जन्म के कुछ ही दिनों बाद विहा को मेकोनियम एस्पिरेशन सिंड्रोम एवं राइट सबड्यूरल हेमाटोमा जैसी गंभीर बीमारियों ने अपनी चपेट में ले लिया। बच्ची की गंभीर स्थिति को देखते हुए मुंबई के एक अस्पताल में उसकी ब्रेन सर्जरी करानी पड़ी। इलाज पर अब तक करीब 14 लाख रुपये खर्च हो चुके हैं, जिससे परिवार की आर्थिक स्थिति पूरी तरह प्रभावित हो गई है। चिकित्सकों ने आगे के उपचार और दूसरी सर्जरी के लिए लगभग पांच लाख रुपये की अतिरिक्त आवश्यकता बताई है, जिससे परिवार की चिंता और बढ़ गई थी। इलाज के बढ़ते खर्च और आर्थिक तंगी से जूझ रहे संतोष कुमार मिश्रा ने अपनी पुत्री के उपचार के लिए जनप्रतिनिधियों से सहायता की अपील की। इसी क्रम में वे जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू से मिले और अपनी समस्या से उन्हें अवगत कराया। मामले की गंभीरता को समझते हुए विधायक ने तत्काल पहल करते हुए मुख्यमंत्री राहत कोष से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री कार्यालय को पत्र भेजा। अपने अनुरोध पत्र में उन्होंने बच्ची की गंभीर स्वास्थ्य स्थिति का उल्लेख करते हुए समुचित इलाज और आवश्यक चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने की मांग की।

विशेष उत्पाद न्यायालय से डॉ. अभिषेक मुंडू बरी, कहा- न्यायपालिका पर था पूरा भरोसा

सभी साक्ष्यों के परीक्षण के बाद अदालत ने आरोपों को असिद्ध मानते हुए किया दोषमुक्त

जमशेदपुर : बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के अंतर्गत दर्ज एक मामले में माननीय विशेष उत्पाद न्यायालय, पटना ने ईएसआई अस्पताल आदित्यपुर में कार्यरत सीएमओ डॉ. अभिषेक मुंडू को सभी आरोपों से सम्मानपूर्वक बरी कर दिया है। इस संबंध में डॉ. मुंडू ने बिष्टुपुर स्थित एक होटल में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान जानकारी दी। उन्होंने बताया कि न्यायालय ने मामले से संबंधित सभी साक्ष्यों, दस्तावेजों और अभिलेखों का गहन परीक्षण करने के बाद अभियोजन पक्ष द्वारा लगाए गए आरोपों को सिद्ध नहीं पाया। इसके आधार पर अदालत ने उन्हें दोषमुक्त घोषित करते हुए उनके विरुद्ध लंबित आपराधिक कार्यवाही का समापन कर दिया। इस फैसले के बाद डॉ. मुंडू ने राहत की भावना व्यक्त करते हुए न्यायपालिका के प्रति अपना सम्मान प्रकट किया।

प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए डॉ. अभिषेक मुंडू ने कहा कि उन्हें भारत की न्यायपालिका पर हमेशा पूर्ण विश्वास रहा है और न्यायालय के इस निर्णय से सत्य की विजय हुई है। उन्होंने कहा कि वह आगे भी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ करते रहेंगे। डॉ. मुंडू ने यह भी उम्मीद जताई कि न्यायालय के निर्णय के आलोक में उनके सेवा संबंधी सभी वैधानिक अधिकारों, लंबित देयकों तथा सतर्कता संबंधी औपचारिकताओं का शीघ्र निष्पादन किया जाएगा।

सुनील आनंद ने 5 दिन में दूसरी बार किया सिंगल डोनर प्लेटलेट दान

मानव सेवा को बताया निष्काम कर्म योग, अब तक 57 बार कर चुके हैं रक्त एवं प्लेटलेट दान

जमशेदपुर : आनंद मार्ग यूनिवर्सल रिलीफ टीम ग्लोबल के रिलीफ कोऑर्डिनेटर सुनील आनंद ने मानवता की सेवा का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत करते हुए मात्र पांच दिनों के अंतराल में दूसरी बार सिंगल डोनर प्लेटलेट (एसडीपी) दान किया। यह प्लेटलेट दान एक कैंसर पीड़ित मरीज की जान बचाने के लिए किया गया। आज का यह दान सुनील आनंद का कुल 57वां रक्त एवं प्लेटलेट दान है। उन्होंने कहा कि रक्तदान और प्लेटलेट दान से बड़ा कोई निष्काम कर्म नहीं है। उनके अनुसार जो भी रक्तदाता निस्वार्थ भाव से रक्तदान करते हैं, वे ईश्वर कोटि के मनुष्य होते हैं, क्योंकि उनके मन में केवल पीड़ित मानवता की सेवा का भाव होता है। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में भर्ती मरीज भी परमात्मा के ही बच्चे हैं और उनके कष्टों को कम करने के लिए किया गया हर प्रयास ईश्वर की सच्ची सेवा है। सुनील आनंद ने कहा कि प्लेटलेट दान करते समय यह अपेक्षित होता है कि दाता का प्लेटलेट काउंट डेढ़ लाख से अधिक हो। सिंगल डोनर प्लेटलेट दान की प्रक्रिया सामान्य रक्तदान की तुलना में अधिक समय लेती है और इसे पूरा होने में लगभग एक घंटे या उससे अधिक का समय लगता है। उन्होंने बताया कि भले ही जिस मरीज के लिए प्लेटलेट दान किया जा रहा हो वह दाता को न जानता हो, लेकिन ऐसे कार्यों से परमात्मा अवश्य प्रसन्न होते हैं। उन्होंने लोगों से नियमित रक्तदान और प्लेटलेट दान के लिए आगे आने की अपील करते हुए कहा कि इससे गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को नया जीवन मिल सकता है। उनके इस कार्य की सामाजिक संगठनों और रक्तदान से जुड़े लोगों ने सराहना की है।

सीएसआर फंड के प्रभावी उपयोग पर उपायुक्त ने दिखाई सख्ती

कंपनियों को एक सप्ताह में रिपोर्ट सौंपने का दिया निर्देश, जिला प्रशासन को गतिविधियों की जानकारी उपलब्ध कराने पर जोर

- जिला स्तरीय समिति के समन्वय से जनहितकारी योजनाओं को गति देने पर हुई विस्तृत चर्चा
- एक सप्ताह में रिपोर्ट और नई कार्ययोजना प्रस्तुत करने का दिया निर्देश
- शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक विकास से जुड़े प्रस्तावों पर मांगा सहयोग

जमशेदपुर : समाहरणालय सभागार में उपायुक्त राजीव रंजन की अध्यक्षता में कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) संबंधी महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप विकास आयुक्त नागेंद्र पासवान, अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम) तथा जिले में कार्यरत विभिन्न औद्योगिक प्रतिष्ठानों और कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक के दौरान सीएसआर गतिविधियों के बेहतर समन्वय, पारदर्शिता और प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की गई। विषय प्रवेश कराते हुए उप विकास आयुक्त ने कहा कि कई कंपनियां अपने स्तर पर सीएसआर कार्य संचालित कर रही हैं, लेकिन उनकी जानकारी जिला स्तरीय समिति तक नहीं पहुंच पाती है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार जिला प्रशासन द्वारा गठित समिति के अनुमोदन के बाद ही सीएसआर गतिविधियों का क्रियान्वयन किया जाना चाहिए।

बैठक में जानकारी दी गई कि अब तक यूसीआईएल, एचसीएल और बैंक ऑफ इंडिया द्वारा ही सीएसआर मद में राशि उपलब्ध कराई गई है अथवा प्रस्तावित परियोजनाओं के लिए जिला स्तरीय समिति से अनुमोदन प्राप्त किया गया है।

उपायुक्त राजीव रंजन ने कहा कि बैठक का मुख्य उद्देश्य विभिन्न कंपनियों द्वारा किए जा रहे कार्यों में बेहतर तालमेल स्थापित करना, योजनाओं के दोहराव को रोकना और उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि सीएसआर फंड का उपयोग ऐसे क्षेत्रों में किया जाना चाहिए, जहां इसकी सबसे अधिक आवश्यकता हो, ताकि समाज के अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सके। इसके लिए सभी कंपनियों को जिला प्रशासन के साथ नियमित संवाद और समन्वय बनाए रखने की आवश्यकता है। उपायुक्त ने सभी कंपनी प्रतिनिधियों को निर्देश दिया कि वे विगत वित्तीय वर्ष के दौरान संचालित सभी सीएसआर गतिविधियों का विस्तृत प्रतिवेदन एक सप्ताह के भीतर जिला प्रशासन को उपलब्ध कराएं। इसके साथ ही चालू वित्तीय वर्ष में प्रस्तावित सीएसआर गतिविधियों की कार्ययोजना भी जिला स्तरीय समिति के समक्ष अनुमोदन के लिए प्रस्तुत करने को कहा गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि योजनाओं के चयन और क्रियान्वयन में पारदर्शिता तथा जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इससे विकास कार्यों की गुणवत्ता बढ़ेगी और संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होगा।

बैठक के दौरान जिला प्रशासन ने जिले की विभिन्न प्राथमिक आवश्यकताओं और क्रिटिकल गैप की जानकारी साझा करते हुए कंपनियों से सहयोग का आग्रह किया। प्रशासन की ओर से बालिका आवासीय विद्यालयों में सैनिटरी नैपकिन डिस्पेंसर मशीन लगाने, स्वास्थ्य केंद्रों एवं उप स्वास्थ्य केंद्रों में वाटर एटीएम की व्यवस्था, मेडिकेटेड मच्छरदानियों का वितरण, सबर टोला क्षेत्रों के समग्र विकास, मुक्ति वाहन उपलब्ध कराने, विद्यालयों के लिए बेंच-डेस्क, दिव्यांगजनों हेतु इलेक्ट्रिक ट्राई साइकिल, आवासीय विद्यालयों में खेल सुविधाओं के विकास तथा समाहरणालय परिसर में दीदी कैफे के लिए आधारभूत संरचना निर्माण जैसे जनहितकारी प्रस्ताव रखे गए। बैठक में उपस्थित सभी प्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर सीएसआर गतिविधियों को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जनकल्याणकारी बनाने का आश्वासन दिया।